दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन
सफलतम 55वें वर्ष में प्रवेश
वर्ष 55/ अंक 01/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
आर.एन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, मंगलवार 15 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

चलना ही जिंदगी है... दैनिक सांध्यप्रकाश

भरत एस पटेल

सच यह है कि हम तूफानों का सामना कर रहे हैं। आज पूरे देश ही नहीं पूरे विश्व में अखबार यानि प्रिंट मीडिया संकट के दौर से गुजर रहा है। आज सिद्धांतों और आदर्शों पर चल कर मुकाम पाना बहुत ही दुष्कर कार्य है। ....और सच यह भी है कि हम तमाम चुनौतियों का सामना करते हुए आज भी आपके सामने मौजूद हैं। उसी रंग में। उसी ढंग में। उसी कलेवर में। उसी तेवर के साथ। तभी तो हम आज भी कहते हैं- आज की खबरों का कल तक क्यों इंतजार, जब हो सांध्यप्रकाश।

सांध्यप्रकाश ने अपने 54 वर्षों के सफर में ढेरों राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक और व्यावसायिक खट्टे-मीठे अनुभव प्राप्त किए हैं, और इस दौरान कोविड जैसी बीमारी के संक्रमण का सामना भी किया है। लाक डाउन लगा। सड़कों पर सन्नाटा और अस्पतालों से लेकर श्मशान घाटों पर भीड़ के बेहद दुखद दृश्य भी देखने को मिले। अब कलयुग आ गया है इसलिए दुखद घटनाओं का तांता लगा हुआ है। कहीं बाढ़ के दृश्य हैं तो कहीं लोग कर्ज के चक्कर में परिवार सहित आत्महत्या करने को विवश हैं। कुछ देश युद्ध में लगे हैं तो कहीं धर्म और जातियों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है।

वर्तमान परिदृष्य में चौथे स्तंभ के रूप में संविधान ने जो व्यवस्था दी है उसे किसी अखबार के लिए बहुत ही चुनौती पूर्ण रूप में देखा जा सकता है। एक अखबार का प्रकाशन तमाम चुनौतियों के साथ ही खतरों से खेलने वाले स्टंट से कम नहीं है। महामारियों ने पूरी अर्थव्यवस्था को तोड़ कर रख दिया है, अधिकांश कारोबार आज भी ठीक से खड़े नहीं हो पाए हैं। सरकारें कर्ज में गले-गले तक डूबी हुई हैं और महंगाई है कि थमने का नाम नहीं ले रही। चुकि अब वोट के लिए सरकारों ने देश के नागरिकों को सीधे सीधे आर्थिक और खाद्यान्न के साथ-साथ मुफ्त की विभिन्न योजनाओं से उपकृत करना शुरू कर दिया है।

ऐसी परिस्थितियों में अखबार का प्रकाशन अनवरत कैसे जारी रहे? बस यही सवाल मन-मस्तिष्क में कौंधता रहता है। पिछले कुछ सालों के अनुभव यही बताते हैं कि अब अखबारों के लिए समय बहुत ही कठिन है। सरकार ने अपने बजट में बहुत बड़ी कटौती कर दी है तथा उस बजट में से अब इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया पर भी पैसा खर्च किया जा रहा है। जिससे की अखबारों को दोहरी मार पड़ रही है।

प्रदेश और देश की सरकार को जीएसटी से अच्छा धन प्राप्त हो रहा है और सरकार ने युवा अधिकारियों का कार्य करने का अंदाज भी नए तरीकों को जनता के लिए योजनाओं के द्वारा प्रकाशित कराया जा रहा है। उम्मीद है कि सरकार अपनी सभी योजनाओं को अखबारों के माध्यम से जनहित में प्रसारित करेगी, जिससे जनता के पास समाचार पत्र के रूप में एक इबादद रहेगी और उसे कभी भी रिकॉर्ड में रखा जा सकता है। अब तो राज्य सरकारों को भारत सरकार से अच्छे बजट की प्राप्ति हो रही है। जीएसटी से भी बजट की आवक बढ़ रही है तो सरकार से यह उम्मीद की जाती है कि वह समाचार पत्रों के लिए अधिक बजट आवंटित करेंगे और देश के चौथे स्तंभ को पुर्निजिवित करने में

तूफानों और झंझावातों से वास्ता पड़ा है।
आपके प्यार से सांध्यप्रकाश आज भी खड़ा है।।

स्व.श्री सुरेन्द्र पटेल
संस्थापक
दैनिक सांध्य प्रकाश भोपाल

संविधान की भावनाओं के तहत समाचार पत्रों को प्रोत्साहित करेंगे।

समाचार पत्रों का इतिहास भले ही कितना ही समृद्ध हो, परंतु वर्तमान को समृद्ध करने की आवश्यकता है। आज़ादी के आंदोलन के समय देशव्यापी क्रांतिकारी गतिविधियों को सक्रियता मुख्य रूप से हिंदी के समाचार पत्र-पत्रिकाओं से मिली थी। हिंदी पत्रकारिता में गणेश शंकर विद्यार्थी और अन्य हस्तियों ने अपने जोश भरे लेखन से क्रांतिकारी आंदोलन को जन आंदोलन से जोड़ने का काम किया। युवाओं में व्याप्त निराशा को दूर कर उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन के लिए प्रेरित किया। मिशन की भावना से पत्र-पत्रिकाओं और किताबों का प्रकाशन किया। लेखन किया। उस आजादी में अखबारों का विशेष योगदान था।

ऐसी विषम परिस्थितियों में भी दैनिक सांध्यप्रकाश ने न केवल प्रकाशन जारी रखा हुआ है, अपितु अपनी पहचान को भी कायम रखने के प्रयासों में सफल रहा है। मध्यप्रदेश की राजधानी से जब 15 जुलाई 1971 को शाम के अखबार के रूप में सांध्यप्रकाश का प्रकाशन प्रारंभ हुआ, उस समय सुबह के अखबार गिने-चुने हुआ करते थे। शाम के अखबार का तो यहां प्रकाशन ही नहीं था। सांध्यप्रकाश देश और प्रदेश का पहला सांध्यकालीन समाचार पत्र है। दैनिक सांध्यप्रकाश के संस्थापक स्वर्गीय सुरेंद्र पटेल जी ने ऐसी जिम्मेदारी लेने का साहस किया। शुरू कर दिया शाम का अखबार। वो भी पूर्ण आकार, जबकि अन्य शाम के अखबार छोटे आकार में निकाले गए।

कुछ नया किया। और सफल रहे। उनके साहस और पत्रकारिता के प्रति निष्ठा ने आखिर विजय प्राप्त की। पत्रकार साथियों की टोली के साथ पाठकों ने, राजनेताओं और अधिकारियों से भी समन्वय किया और जनहित के मुद्दे प्रकाशित कर पत्रकारिता की जिम्मेदारी निभाई। स्वर्गीय सुरेंद्र पटेल जी सामान्य नागरिकों से चर्चा करते थे जनता के बीच उठते-बैठते थे। उनकी समस्या के बारे में जानते और फिर प्रकाशित करते थे। साथियों के सहारे सांध्यप्रकाश ने बहुत जल्द अपनी पहचान बनाई तथा अपनी विश्वनियता आज भी कायम रखी है।

एक समय ऐसा भी आया कि लोग शाम को सांध्यप्रकाश को तलाशते थे और पढ़ने के लिए अब भी बेसब्र रहते है। सुबह के अखबारों के साथी भी सांध्यप्रकाश को बड़ी चाव से पढ़ते है और यह तलाशते है कि दिन की कोई घटना तो नहीं छूट गई। इस यात्रा में सांध्यप्रकाश को भोपाल के अनेक नागरिकों और पाठकों का साथ प्राप्त हुआ जिससे संस्थापक स्वर्गीय सुरेंद्र पटेल के साथ उनकी पत्नी और अखबार की प्रबंध सलाहकार श्रीमती भारती पटेल के हौंसले बुलंद रहे। आज भी वह एक स्तंभ की तरह सांध्यप्रकाश के साथ खड़ी हैं।

आज हम एक बार फिर सांध्यप्रकाश का 55वां स्थापना दिवस मना रहे हैं। सामने अनगिनत चुनौतियां हैं। संघर्ष हमारा स्वभाव है और विजय ईश्वर का आशीर्वादह। हां, प्रयास है पत्रकारिता के मानदंडों और मूल्यों का सम्मान बनाए रखे और आपका आशीर्वाद मिलता रहे। मुसीबतें चट्टान की तरह खड़ी है परंतु सांध्यप्रकाश पूरे हौंसले के साथ आगे बढ़ना चाहता और बढ़ता रहेगा। अपने पाठकों, विज्ञापनदाताओं तथा सांध्यप्रकाश के जुड़े हर व्यक्ति का आभार व्यक्त करता है।

- आपका सांध्यप्रकाश परिवार..।

कुछ देर में पृथ्वी पर लौटेंगे शुभांशु शुक्ला:पैराशूट खुले, स्पेसक्राफ्ट की लैंडिंग समुद्र में होगी

कैलिफोर्निया। शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट 18 दिन इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में रहने के बाद पृथ्वी पर लौट रहे हैं। करीब 23 घंटे के सफर के बाद उनका ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट दोपहर 3 बजे कैलिफोर्निया के समुद्र में उतरेगा।

पृथ्वी के वातवरण में एंटर करते वक्त स्पेसक्राफ्ट का तापमान करीब 2,500एष्ट तक पहुंच जाएगा। इस समय स्पेसक्राफ्ट की गति लगभग 27,000 किमी/घंटा रहती है। चारों एस्ट्रोनॉट एक दिन पहले शाम 4¬45 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी के लिए रवाना हुए थे।

ये स्पेसक्राफ्ट 263 किलो से ज्यादा कार्गो के साथ वापस आ रहा है। इसमें नासा का हार्डवेयर और 60 से ज्यादा प्रयोगों का डेटा है। यह अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

सभी एस्ट्रोनॉट 26 जून को भारतीय समय के अनुसार शाम 4¬01 बजे ढ्ढस्स् पहुंचे थे। एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे ये रवाना हुए थे।

स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में इन्होंने कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी। ये मिशन तकनीकी खराबी और मौसमी दिक्कतों के कारण 6 बार टाला गया था।

दुबई के भारत मार्ट पहुंचे सीएम डॉ. मोहन यादवः बोले-

भारत का विरोध किसी देश से नहीं, आतंकवाद से हैं

भोपाल। सीएम डॉ. मोहन यादव अपनी विदेश यात्रा के तीसरे दिन आज (मंगलवार को) दुबई की लीडिंग लॉजिस्टिक्स कंपनी द्वारा संचालित भारत मार्ट पहुंचे। भारत मार्ट भारतीय एमएसएमई प्रोडक्ट्स को वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए बड़ा प्लेटफार्म बन रहा है। यहां सीएम मप्र की एमएसएमई यूनिट्स को भारत मार्ट से जोड़ने की रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। वहीं सोमवार को दुबई में इन्वेस्ट इन मध्य प्रदेश बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए कहा था कि भारत का विरोध किसी देश से न होकर आतंकवादियों से है।

आज स्पेन के लिए होंगे रवाना- सीएम आज दुबई की लॉजिस्टिक्स कंपनी डीपी वर्ल्ड के प्रतिनिधियों से भी मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज दुबई से स्पेन की राजधानी मेड्रिड के लिए रवाना होंगे, जहां वे मध्यप्रदेश की वैश्विक निवेश यात्रा को नए आयाम देने के उद्देश्य से आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

सोमवार को विदेश यात्रा के दूसरे दिन सीएम ने दुबई में इन्वेस्ट इन मध्य प्रदेश बिजनेस फोरम के सत्र को संबोधित करते हुए कहा- उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहनकारी नीतियों का लाभ देने के साथ ही नीतियों से हटकर भी अतिरिक्त सुविधाएं देने का काम किया जाएगा। सीएम ने दुबई के उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में पर्यटन, टेक्सटाइल और एमएसएमई सहित अन्य सेक्टर्स में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

दुबई में भारतीय मूल के उद्यमी विकास में सहयोगी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्यमशीलता यह है कि उद्यमी केवल धन संग्रहित न करें, बल्कि उस धन को उद्यम में लगाकर अपने व्यवसाय को और बढ़ाएं। इससे व्यापार कई गुना बढ़ जाता है। व्यापार की यह समझ दुबई के उन उद्योगपतियों में है जो भारतीय हैं और इस देश के विकास में विशेष सहयोगी हैं। टेक्समास टेक्सटाइल क्षेत्र देखकर सुखद अनुभव हुआ है, यहां योजना पक्ष की श्रेष्ठता देखने को मिली है। यह मॉडल मध्यप्रदेश में भी लागू करने का प्रयास रहेगा।

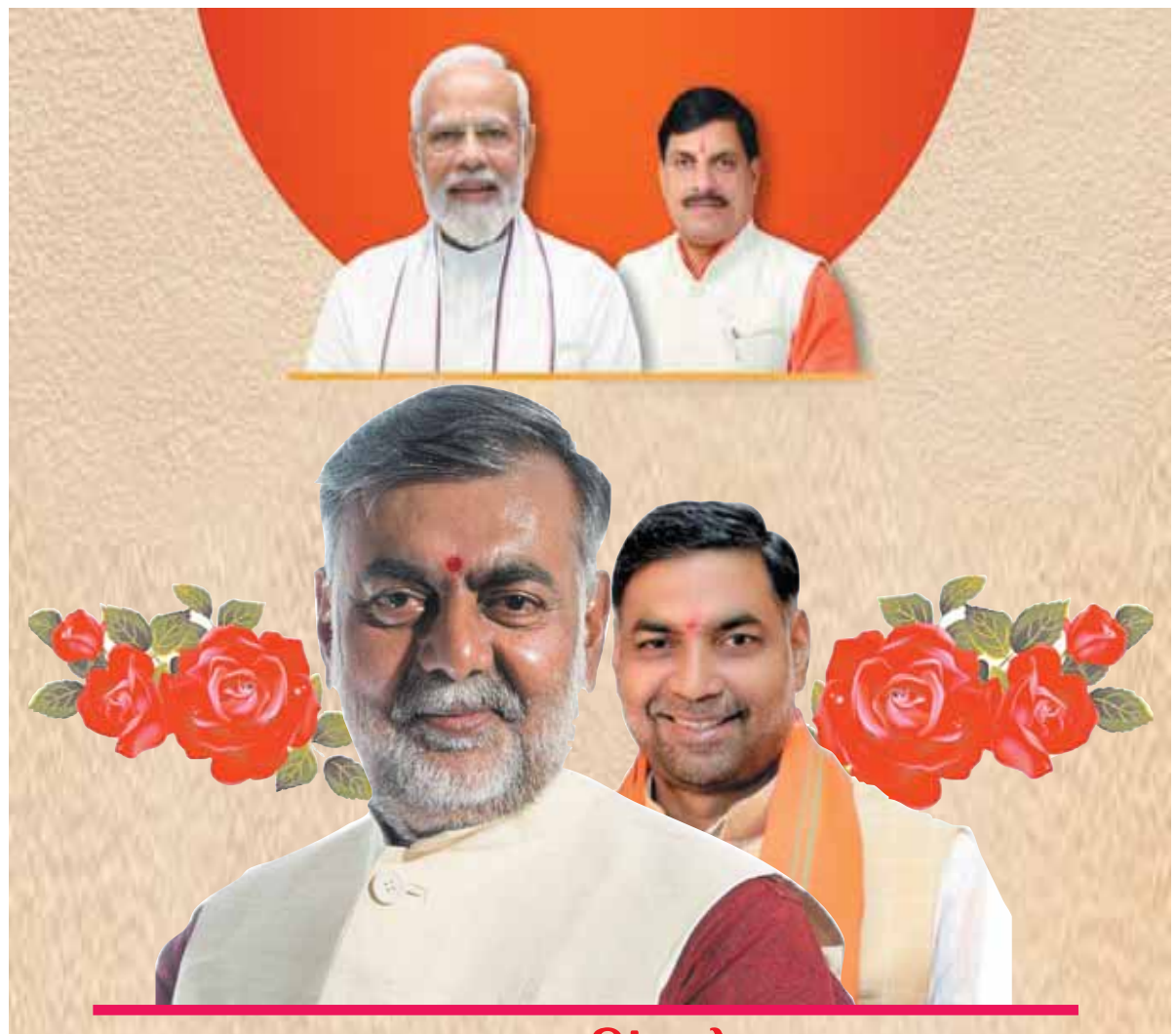

एसोसिएशन ऑफ भोपाल रियल्टर्स की वार्षिक आम सभा एवं नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

भोपाल। रियल एस्टेट क्षेत्र में सक्रिय और पंजीकृत एकमात्र प्रतिनिधि संगठन एसोसिएशन ऑफ भोपाल रियल्टर्स की वार्षिक आमसभा गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। इस अवसर पर हाल ही में आयोजित चुनाव में निर्वाचित 11-सदस्यीय नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भी संपन्न हुआ, जिसमें संगठन के भविष्य की दिशा और योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ। सभा में प्रमुख रूप से संगठन की बीते वर्ष की उपलब्धियों का उल्लेख किया गया। एजुकेशन एवं जनसंपर्क प्रभारी श्री राकेश अग्रवाल ने वर्ष भर आयोजित एजुकेशन सीरीज़, जागरूकता अभियानों एवं सदस्यों के उन्नयन हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यशालाओं की जानकारी दी। उन्होंने नई कार्यकारिणी से अपेक्षा व्यक्त की कि इसी प्रकार के ज्ञानवर्धक एवं प्रेरक कार्यक्रम भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रदीप करेमबलकर ने संगठन की एक दशक से अधिक समय से जारी गतिविधियों का संक्षिप्त और प्रेरणादायक विवरण प्रस्तुत करते हुए सदस्यों को संगठन की ऐतिहासिक यात्रा से अवगत कराया। इस दौरान महिला सदस्यों की सहभागिता पर भी विशेष चर्चा की गई। रियल एस्टेट उद्योग में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर विचार व्यक्त करते हुए, उन्हें संगठनात्मक गतिविधियों में अधिकाधिक योगदान देने का आह्वान किया गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी अध्यक्ष अरुण गुप्ता, सचिव अनुराग सक्सेना, कोषाध्यक्ष पंकज जोशी, संयुक्त सचिव दिनेश विश्वकर्मा,उपाध्यक्ष प्रवीण रावल, सदस्यगण- श्री लव राजपाल, श्री अरुण यादव, श्री विशाल शुक्ला, श्री जीत मेहता, श्री अनिल नेमा एवं श्री समीर मनोचा नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री अरुण गुप्ता ने अपने प्रथम उद्बोधन में संगठन के आगामी लक्ष्यों और योजनाओं का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने सदस्यों के हितों की सुरक्षा के लिए समूह बीमा योजना, ब्रोकरेज विवाद निवारण समिति, तकनीकी उन्नयन, और विस्तृत संगठनात्मक वेबसाइट जैसे नवाचारों की घोषणा की।

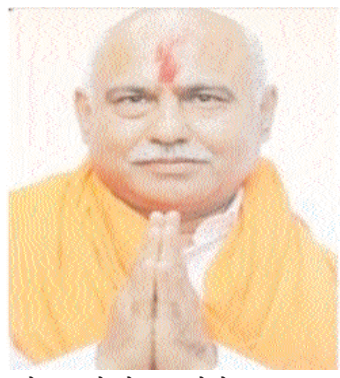

जिनके पास जहां का दायित्व है, वे वहीं पर काम करें, भोपाल में हमेशा नहीं बने रहें : खंडेलवाल

भोपाल। प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, संभाग प्रभारी, मोर्चो के प्रदेश अध्यक्षों को अपनी पहली ही बैठक में नसीहत दे डाली। उन्होंने कहा कि जिनके पास जहां का दायित्व है, वे वहीं पर काम करेंगे। हमेशा भोपाल में नहीं रहें, मुझे कई लोग हमेशा भोपाल में ही दिखाई देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बैठकों को लेकर अनुशासन तय हो, समय पर ही शुरू होना चाहिए, किसी का इंतजार न करें। उन्होंने यह भी कहा कि वे हर सोमवार को प्रदेश भाजपा दफ्तर में बैठेंगे और कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। हेमंत खंडेलवाल ने प्रदेश स्तर से लेकर बूथ स्तर की बैठकों के लिए भी टाइमलाइन बताई।

उन्होंने कहा कि वे हर सोमवार को प्रदेश कार्यालय में रहेंगे और कार्यकर्ताओं से मेल-मुलाकात करेंगे। शनिवार को जिलों में बैठकें होना चाहिए। इन बैठक में जिला पदाधिकारी और मंडल अध्यक्ष शामिल हों। दो दिन बाद मंडल पदाधिकारियों और शक्ति केंद्र संयोजकों की बैठक हो। गुरुवार-शुक्रवार को शक्ति केंद्र और बूथ अध्यक्षों की बैठक आयोजित की जाएं। इन बैठकों को गंभीरता से करना चाहिए। प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक हर दो महीने में आयोजित करेंगे। बैठकों की टाइम लाइन तय करने के बाद खंडेलवाल ने कहा कि पार्टी में बैठकों को लेकर एक अनुशासित परिपाटी शुरू करनी होगी। जो समय बैठक के लिए तय किया है। उस समय पर ही बैठक शुरू की जाए।

संकेतों में बताया कैसे काम करूंगा

हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि वे अपने परिवार से अकेले राजनीति करते हैं। उनके नाम से या उनके नजदीकी के नाम से किसी पर कोई भरोसा न करें। उन्होंने कहा कि वे पार्टी लाइन से अलग नहीं रहते हैं। उन्होंने कहा कि उनके नाम से किसी को एंटरटेन न करें। इसके लिए उन्होंने हाल ही में उनके साथ इंदौर में हुआ वाक्या बताया। उन्होंने कहा कि वे अभी इंदौर गए थे। वहां उन्हें एक जगह जाने के लिए फोन आया तो उन्होंने सीधे कहा आप जिलाध्यक्ष से बात करो। भाजपा ही मेरा परिवार है। बैठक को प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह और प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने भी संबोधित किया।

मिठी गोबिंदराम स्कूल के विद्यार्थियों ने अंतरिक्ष विज्ञान के अद्भूत संसार का किया अनुभव

संत हिरदाराम नगर। मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल, भोपाल के कक्षा 10वीं एवं 11वीं के 100 मेधावी विद्यार्थियों ने मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा आयोजित चंद्रयान-3 प्रक्षेपण दिवस समारोह में भाग लेकर विज्ञान के क्षेत्र में भारत की प्रगति को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव किया। चंद्रमा की सतह पर भारतीय विज्ञान की अनुगूंज विषय पर आधारित यह समारोह विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत उन्हें विविध गतिविधियों में सहभागिता करने का अवसर प्राप्त हुआ। चंद्रयान, एक्सिओम एवं भविष्य पर एक संवादप्रेरक सत्र जिसमें बताया गया कि अंतरिक्ष मिशन हमारे लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं विद्यार्थियों ने न केवल भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति गर्व का अनुभव किया, बल्कि भविष्य में अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने योगदान हेतु प्रेरणा भी प्राप्त की। विद्यालय प्राचार्य अजय बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति बढ़ती अभिरुचि की सराहना करते हुए कहा कि संघर्ष, संकल्प एवं विज्ञान का संगम भविष्य में भारत को एक विकसित राष्ट्र की छवि-निर्माण में अवश्य ही सहायक भूमिका निभाएगा।

स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए 16 से 31 जुलाई तक अतिरिक्त सीएलसी चरण

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के शासकीय और अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं निजी अशासकीय महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए यह अतिरिक्त सीएलसी चरण 16 से 31 जुलाई तक आयोजित किया जायेगा। विद्यार्थियों के लिए 16 जुलाई से प्रतिदिन प्रवेश पोर्टल पर महाविद्यालय वार रिक्त सीटों का प्रदर्शन किया जायेगा। विद्यार्थी रिक्त सीटों पर सीधे महाविद्यालय में उपस्थित होकर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। विद्यार्थी 16 जुलाई से प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे तक पंजीयन/विकल्प चयन कर सकेंगे। हेल्प सेंटर द्वारा सायं 4 बजे तक प्राप्त आवेदनों का सत्यापन किया जायेगा और सायं 5 बजे मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी।

शुभ श्रावण मास

(शिव तत्व विचार)

प्रत्येक स्थिति-परिस्थिति में प्रसन्न रहना भगवान शिव के जीवन से सीखना चाहिए। भगवान शिव बड़े भोले हैं और जो भोला है, वही दुनिया का नाथ बनने की पात्रता रखता है। शिवजी ने भीतर से अपने आपको इतना शक्तिसंपन्न, उच्च विचारयुक्त, धीर, गंभीर, सहनशील, धैर्यवान, मान-अपमान मुक्त बना रखा है, कि संसार की कोई भी स्थितियाँ उन्हें विचलित नहीं कर पाती हैं। शिवजी अपने हृदय में केवल राम नाम को रखते हैं, बाकी सब बाहर ही छोड़ देते हैं। जिनके हृदय में प्रभु श्रीराम हैं, उन्हीं के जीवन में विश्राम भी है। भगवान शिव अन्तर्मुखी हैं, स्वयं में स्थित रहते हैं। मजबूत बनो, ताकि प्रत्येक स्थिति का मुस्कुराकर सामना कर सको।एक बात और जो भोलेनाथ अर्थात कपट रहित सरल एवं सहज है, वही दुनिया का नाथ अर्थात सबके हृदय में बस जाने वाला भी बन जाता है।

जीतू पटवारी ने केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी को लिखा पत्र

आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग 3 पर जर्जर हो चुके गणेश घाट खंड की मरम्मत की मांग

नई दिल्ली, एजेसी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केंद्रीय मंत्री नीतिन गडकरी को पत्र लिखकर आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग 3 पर गणेश घाट खंड की जर्जर स्थिति से अवगत कराकर इसके तत्काल मरम्मत की मांग की है। पत्र में कहा है कि मध्य प्रदेश में आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग -3 के इंदौर-खलघाट खंड पर स्थित गणेश घाट के रीअलाइनमेंट हिस्से की जर्जर स्थिति है। इस खंड का निर्माण कार्य नवंबर 2024 में 109 करोड़ रुपए की लागत से पूरा हुआ था। इसकी लंबाई 8.8 किमी तथा चौड़ाई 10.3 मीटर है और अब महज 6 इंच बारिश में ही पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। इस पर सैकड़ों गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिनमें से कई इतने बड़े हैं कि पूरी कार समा सकती है।

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण जैसी प्रतिष्ठित संस्था इस पर यह दलील दे रही है कि पहली बारिश में गड्ढे तो होंगे ही।

गणेश घाट के इस जर्जर खंड पर चलने वाले बस और ट्रक चालकों ने बताया है कि गड्ढों के कारण आगे चल रहे वाहनों को अचानक ब्रेक लगाने पड़ते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का गंभीर अंदेशा बना रहता है। कुछ स्थानों पर तो पैचवर्क की सामग्री भी पूरी तरह बिखर गई है, जिससे दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने का खतरा और बढ़ गया है। यह उल्लेख करना आवश्यक है कि इस नए अलाइनमेंट पर प्रतिदिन 25 से 30 हजार वाहनों का एकतरफा ट्रैफिक रहता है, और इन गड्ढों के कारण वाहनों को इस 8.8 किमी के खंड को पार करने में 30 से 45 मिनट का अतिरिक्त समय लग रहा है। निर्माण कंपनी को 5 साल तक इसका रखरखाव करना है, लेकिन रखरखाव के तहत किए गए पैचवर्क की गुणवत्ता भी सवालों के घेरे में है।

रोटरी क्लब भोपाल हिल्स का 28वां स्थापना समारोह आयोजित

भोपाल। रोटरी क्लब भोपाल हिल्स का 28वाँ स्थापना समारोह 12 जुलाई 2025 को अद्भुत उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर रोटरी इंटरनेशनल के पूर्व निदेशक आरआईडी रोटेरियन अशोक महाजन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता शेखर प्रधान ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में रोटेरियन सुशील मल्होत्रा और बॉलीवुड की अभिनेत्री वैष्णवी मैकडोनाल्ड (शक्तिमान सीरियल की गीता विश्वास) तथा अभिनेता-निर्देशक व थिएटर आर्टिस्ट राजीव वर्मा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। संस्कार कोठारी ने स्थापना अधिकारी के रूप में नवनिर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन हर्ष मित्तल और सचिव रोटेरियन कमल वधवानी को शपथ दिलाई। इस अवसर पर क्लब के नए बोर्ड सदस्यों ने भी आगामी वर्ष के लिए सेवा और सहयोग का संकल्प लिया।

नव निर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन हर्ष मित्तल ने अपने प्रेरक संबोधन में क्लब के आगामी प्रकल्पों का संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कि रोटरी की ÷स्ढ़ह्न1द्बष्द्ग ड्ढश्1द्ग स्द्गद्यद्घ÷ की भावना को आगे बढ़ाते हुए समाज के हर वर्ग तक पहुंचना ही उनका लक्ष्य है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, बाल कल्याण, स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों को छूने का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि आरआईडी रोट अशोक महाजन ने रोटरी क्लब भोपाल हिल्स के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस क्लब ने हमेशा अभिनव प्रकल्पों और सतत सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया है। समारोह में क्लब के वरिष्ठ सदस्यों, विभिन्न रोटरी क्लबों के अध्यक्षों, रोट्रैक्टर्स, इंटरैक्टर्स और समाजसेवियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए और सामूहिक फोटो से इस यादगार दिन को संजोया गया।

लेकफ्रंट ला रहा है द हिमालयन ट्रेल्स उत्तराखंड के पारंपरिक स्वादों का एक गढ़वाली फूड फेस्टिवल

भोपाल। पहाड़ों के स्वादों के एक अदभुत जायके पर निकलने के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि ताज लेकफ्रंट, भोपाल आपके लिए लेकर आ रहा है एक विशेष रूप से तैयार किया गया गढ़वाली फूड फेस्टिवल ÷द हिमालयन ट्रेल्स÷। यह फूड फेस्टिवल 16 जुलाई से 20 जुलाई 2025 तक होटल के ऑल-डे डाइनिंग रेस्टोरेंट, मचान में शाम 7:30 बजे से डिनर में आयोजित किया जाएगा। इस फेस्टिवल का नेतृत्व करेंगे गेस्ट शेफ जयवीर सिंह, जो ताज आनंद काशी से आ रहे हैं। शेफ जयवीर हिमालयी क्षेत्र गढ़वाल की परंपरागत रेसिपी और पीढ़ियों से चली आ रही पाक कला को लेकर आ रहे हैं, ताकि मेहमानों को उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक और स्वाद परंपरा का सच्चा अनुभव मिल सके। मेहमान इस फेस्टिवल में पारंपरिक और दिल को छू लेने वाले व्यंजन जैसे- आलू के गुटके, भट्ट की चाट, चैंसू, गढ़वाली राजमा, छांच गोश्त, पहाड़ी मुर्ग टिक्का, तथा मिठाइयों में बाल मिठाई, पहाड़ी सेवई और पहाड़ी चॉकलेट मिठाई का लुत्फ उठा सकेंगे। हर व्यंजन मे देखने को मिलेगी उत्तराखंड की प्रकृति, संस्कृति और सादगी। इस अवसर पर श्री विशाल शर्मा, क्लस्टर जनरल मैनेजर ङ्क ऑपरेशन्स एवं जनरल मैनेजर, ताज लेकफ्रंट भोपाल ने कहा- ÷'द हिमालयन ट्रेल्स' हमारे लिए गढ़वाल क्षेत्र की पाक विरासत को सम्मान देने का माध्यम है। इस क्षेत्र की रसोई की सादगी, गर्मजोशी और परंपरागत गहराई ताज की आत्मीय मेज़बानी के साथ पूर्णतः मेल खाती है।

वाणिज्य विभाग ने टीम बनाकर की छापामार कार्रवाई, यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता

भोपाल । भोपाल मंडल में खानपान सेवाओं की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने हेतु चलाए जा रहे विशेष निरीक्षण अभियान के अंतर्गत एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग सतत रूप से खानपान स्टालों, ट्रेनों एवं स्टेशनों पर निगरानी रख रहा है।

इसी क्रम में वाणिज्य विभाग को एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि कुशीनगर एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22538) में अनअप्रूव्ड ब्रांड की पानी की बोतलें बड़ी मात्रा में लाकर यात्रियों को बेची जा रही हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत एक विशेष संयुक्त टीम का गठन किया गया, जिसमें स्टेशन मास्टर कॉमर्शियल श्री एक के खरे,मंडल मुख्य टिकट निरीक्षक श्री सुनील वर्गीस, मंडल वाणिज्य निरीक्षक श्री विनोद वर्मा तथा कैटरिंग इंस्पेक्टर/भोपाल श्रीमती मेघा नागदेव को शामिल किया गया। निर्धारित योजना के अनुसार जब कुशीनगर एक्सप्रेस भोपाल स्टेशन पर पहुँची, तो टीम ने अचानक ट्रेन में चढ़कर छापामार कार्रवाई की। जांच के दौरान पैंट्री क्षेत्र के समीप एवं वेंडिंग पॉइंट्स के आसपास तलाशी ली गई, जिसमें कुल 18 क्रेट अनअप्रूव्ड ब्रांड की पानी की बोतलें बरामद की गईं। यह पानी रेलवे द्वारा स्वीकृत सूची में शामिल नहीं था और न ही विक्रेताओं के पास कोई वैध अनुमति अथवा बिल उपलब्ध था।

यह कार्रवाई इसलिए भी महत्वपूर्ण रही क्योंकि अनअप्रूव्ड पानी न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है, बल्कि यह रेलवे की खानपान नीतियों का घोर उल्लंघन भी है।

सोनाली मिश्रा के प्रतिनियुक्ति पर जाने से एडीजी रैंक के दो अफसरों को जल्दी मिलेगी पदोन्नति

भोपाल। भारतीय पुलिस सेवा में 1993 बैच की आईपीएस अफसर सोनाली मिश्रा के प्रतिनियुक्ति पर रेल सुरक्षा बल के महानिदेशक के रूप में जाने से एडीजी रैंक के दो अफसरों को पदोन्नति के समय में फायदा हो गया है। ये दोनों अफसर भी सोनाली मिश्रा के बैच के ही हैं। गौरतलब है कि स्पेशल डीजी के लिए पदोन्नत होने के लिए अभी तक वर्ष 1993 बैच के अफसरों की ही डीपीसी पूर्व में हुई है। बचे हुए साल में इस बैच तक के ही अफसर स्पेशल डीजी बन सकेंगे। इस महीने जेल डीजी जीपी सिंह रिटायर होने वाले हैं। सिंह 31 जुलाई को रिटायर होंगे। उनके रिटायर होने पर एडीजी सोनाली मिश्रा को पदोन्नत होकर स्पेशल डीजी बनना था, लेकिन अब उनके प्रतिनियुक्ति पर जाने से एडीजी रेल रवि कुमार गुप्ता पदोन्नत होकर स्पेशल डीजी बनेंगे। वहीं स्पेशल डीजी तकनीकी सेवाएं योगेश मुदगल 31 अगस्त को रिटायर हो रहे हैं। उनके रिटायर होने के बाद एक सितंबर को एडीजी टेलीकम्युनिकेशन संजीव समी स्पेशल डीजी के लिए पदोन्नत होंगे। संजीव समी के बाद वर्ष 1994 बैच के आईपीएस अफसर पदोन्नत होना शुरू होंगे। हालांकि 1994 बैच के अफसरों की डीजी के पद पर पदोन्नति के लिए फिलहाल डीपीसी नहीं हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि दिसंबर में इस बैच के अफसरों को डीजी बनाए जाने के लिए डीपीसी हो जाएगी। इसके बाद एक जनवरी से इस बैच के अफसर पदोन्नत होना शुरू हो जाएंगे। स्पेशल डीजी सीआईडी पवन श्रीवास्तव 31 दिसंबर को रिटायर होंगे, उनके रिटायर होने के बाद वर्ष 1994 बैच के अफसर पदोन्नत होना शुरू होंगे। इस बैच के अनंत कुमार सिंह और मनमीत सिंह नारंग प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली में पदस्थ हैं, अनंत कुमार सिंह इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन में चीफ विजलेंस ऑफिसर हैं, जबकि मनमीज सिंह नारंग आईबी में ज्वाइंट डायरेक्टर के पद पर पदस्थ हैं। यदि इन दोनों अफसरों की प्रदेश में दिसंबर तक वापसी नहीं हुई तो एक जनवरी को एडीजी एजेके आशुतोष राय स्पेशल डीजी के पद पर पदोन्नत हो सकते हैं।

दो महीने में तीन आईजी होंगे रिटायर

अगले दो महीने में तीन आईजी रिटायर होने जा रहे हैं। इसमें अगस्त में आईजी अनिल गोयल और आईजी जेएस राजपूत रिटायर होने वाले हैं। गोयल आईजी मानव अधिकारी आयोग हैं, और जेएस राजपूत आईजी योजना हैं। वहीं शहडोल रेंज के आईजी अनुराग शर्मा सितंबर में रिटायर हो जाएंगे।

पुलिस का जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी प्रदेशभर में चलेगा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा से प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश पुलिस ने एक वृहद जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी÷की शुरुआत की है। यह अभियान 15 से 30 जुलाई 2025 तक पूरे राज्य में संचालित किया जाएगा। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में यह अभियान पुलिस मुख्यालय की नारकोटिक्स विंग द्वारा चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नारकोटिक्स) के. पी. वेंकटेश्वर राव ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य किशोरों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना, उन्हें इस लत से दूर रखना और जो लोग पहले से नशे की गिरफ्त में हैं, उन्हें उचित परामर्श और सहयोग प्रदान कर पुनर्वास की दिशा में मार्गदर्शन देना है। इस जन-जागरूकता अभियान में विभिन्न शासकीय विभाग, गैर-सरकारी संगठन , धर्माचार्य, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, और ग्राम एवं नगर सुरक्षा समितियाँ सक्रिय रूप से भाग लेंगी। समाज के सभी वर्गों के सहयोग से समाज के हर वर्ग तक संदेश पहुँचाया जाएगा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, पूरे समाज को प्रभावित करता है इससे दूरी रखना नितांत आवश्यक है। यह अभियान स्कूलों, कॉलेजों, सार्वजनिक स्थलों और डिजिटल माध्यमों के ज़रिए जन-जागृति फैलाने का कार्य करेगा।

यूजीसी ने महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विवि को श्रेणी-1 की स्वायत्तता दी

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने प्रदेश के चित्रकूट स्थित महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय को, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा श्रेणीबद्ध स्वायत्तता अंतर्गत श्रेणी-1 की स्वायत्तता अर्जित करने की महत्वपूर्ण उपलब्धि मिलने पर उच्च शिक्षा विभाग एवं विश्वविद्यालय परिवार शुभकामनाएं एवं बधाई दी हैं। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि यह उपलब्धि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा उच्च शिक्षा की गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे सतत् एवं व्यापक प्रयासों का प्रमाण है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सतत् नवीन आयाम स्थापित हो रहे हैं।

दादाजी धाम मंदिर में सावन के प्रथम सोमवार को भक्तों ने किया रुद्राभिषेक

भोपाल। दादाजी धाम मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव चेरीटेबल ट्रस्ट के द्वारा सावन माह भगवान शिव का प्रिय दिन प्रथम सोमवार को पंडित जी द्वारा यजमान को विधि विधान से चंद्रदोष के लिए दूध से भक्तों द्वारा रुद्राभिषेक किये गए । भगवान शिव के दर्शन के लिए श्रद्धालु देर रात्रि तक आते रहे। इसी प्रकार प्रतिदिन सावन मास में भक्तों द्वारा रुद्राभिषेक दादाजी धाम मंदिर में किए जा रहे हैं। इसमें आप सभी भक्त लोग शामिल होकर पूर्ण लाभ प्राप्त करें।पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सावन मास में ही भगवान शिव ने माता पार्वती को पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। सावन के चारों सोमवार को श्रद्धा और नियम से पूजन करने पर भगवान शिव और माता पार्वती आपकी हर कठिनाई को हर सकते हैं और मनोकामना को पूरी करते है।

सांध्य प्रकाश के स्थापना दिवस पर बधाई एवं शुभकामनायें

कार्यालय नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत छिंदवाड़ा में शहरी हरित क्रांति

- छिंदवाड़ा शहर के 12 प्रमुख बाग-बगीचों को चिन्हांकित कर उनका हरित विकास किया गया. जैसे-योग प्लेटफार्म, पेयजल सुविधा, बच्चों के झूले, पौधारोपण, वॉकिंग ट्रेक, बेंच फ्लावर बेड झूले, फूलों के पौधे, बच्चों का प्ले एरिया, फेंसिंग, फिटनेस कार्नर.
- छिंदवाड़ा शहर की जलग्रहण संरचनाओं का संरक्षण एवं संवर्धन किया गया जिसमें 24,617 घन मीटर गाद को उत्खनित कर जल भरण क्षमता को बढाया गया.
- छिंदवाड़ा शहर को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करते हुए शहर के मध्य 2.80 एकड भूमि पर पौधारोपण किया गया.
- वर्षा रोपण कार्य के लिए विभागीय नर्सरी में पौधों को तैयार किया गया है, ताकि मानसून के दौरान इन्हें प्रस्तावित स्थलों पर रोपित कर हरित क्षेत्र का विकास किया जा रहा है, जैसे- वृक्षारोपण, लॉन पाथवे, बाउंड्री, सिंचाई, सजावटी पौधे, फलावर गार्डन, बैठने की व्यवस्था, कंटूर ट्रेंच, वनीकरण का कार्य.
- अमृत मित्र युवाओं की भागीदारी से जल संरक्षण एवं जागरूकता अभियान चलाया गया.
- जल अपव्यय रोकने हेतु ठोस कदम उठाये गये जैसे leak Alert system का विकास किया गया जिससे 24 घंटों में त्वरित समाधान किया जा सकें.
- पेयजल हेतु मुख्य मार्गो एवं बाजारों, बसस्टेंड, सार्वजनिक उद्यान, अस्पताल/मंदिर प्रांगण में नियमित शुद्ध पेयजल की व्यवस्था.
- रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रणाली को स्थापित किया जा रहा है.
- नदियों में मिलने वो नालों के शोधन हेतु कार्य योजना तैयार की गई जिमसें नगर निगम क्षेत्र में सीवरेज लाईन बिछाने का कार्य प्रगति पर है, साथ ही सभी वार्डो के घरेलू जल निकासी को सीवरेज सिस्टम से जोडा जा रहा है.

निवदेक: समस्त मान. सभापति
मान. पार्षदगण नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा म.प्र.

चंद्रप्रकाश राय
आयुक्त

धर्मेन्द्र सोनू मागो
अध्यक्ष

विक्रम अहाके
महापौर

नगरपरिषद हर्रई

नगर परिषद आम जनता से अपील करती है कि-

- नगर के विकास एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करें
- स्वच्छता हेतु नगरपरिषद के वाहनों को कचरा देवें
- नगर के विकास के लिए समय पर कर पटायें
- जल ही जीवन है इसका अपव्यय न करें
- स्वस्थ्य एवं निरोगी काया के लिए नियमित योग करें
- अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजें
- हरित क्रांति के लिए पौधे लगायें
- चाय कॉफी पॉलीथिन में न बुलवायें इससे कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी होती है

श्रीमति संगीता
धर्मेन्द्र डेहरिया,
अध्यक्ष

कमलेश शाह
विधायक अमरवाड़ा

अनिल कुमार देवार
मुख्य नगरपालिका अधिकारी

समस्त सभापति एवं पार्षदगण नगरपरिषद
हर्रई जिला छिंदवाड़ा

उन्नत खेती समृद्ध किसान

जल ही जीवन है
सिंचाई है जहां समृद्धि है वहां

सिंचाई से बढ़ रही समृद्धि

निर्मित योजना :- छिंदवाड़ा एवं पांढुर्णा जिले के अंतर्गत जल संसाधन संभाग छिंदवाड़ा से 02 मध्यम परियोजना कन्हरगांव एवं मोहगांव जलाशय, 145 लघु सिंचाई योजना एवं 38 स्टॉपडेम कुल 185 योजनाएं निर्मित है. इन योजनाओं का कृषि योग्य कमांड क्षेत्र (CCA) 48154 हेक्टेयर है इन योजनाओं से छिंदवाड़ा जिले का 2024-25 में 48453 हेक्टेयर का सिंचाई लक्ष्य रखा गया था जिसके विरूद्व 49386 हेक्टेयर में वास्तविक सिंचाई की गई है. छिंदवाड़ा जिले का निराबोया क्षेत्रफल 509850 हेक्टेयर है जिसके विरूद्व 49386 हेक्टेयर रकबा में नहर के माध्यम से सिंचाई विकसित की गई है जो 9.5 प्रतिशत है.

निर्माणाधीन योजना :- छिंदवाड़ा जिला के अंतर्गत 01 वृहद छिंदवाड़ा सिंचाई काम्पलेक्स वृहद परियोजना निर्माणाधीन है जिसकी लागत राशि रूपए 547095.00 लाख है, इस योजना से 190500 हेक्टेयर में सिंचाई प्रस्तावित है. इसके अलावा 7 लघु सिंचाई योजनाएं निर्माणाधीन है जिनसे 1396 हेक्टेयर में सिंचाई प्रस्तावित है. इस प्रकार कुल 08 सिंचाई योजनाएं निर्माणाधीन है, जिससे 191896 हेक्टेयर क्षेत्र में रबी सिंचाई प्रस्तावित है. इन योजनाओं के पूर्ण होने से छिंदवाड़ा जिले की सिंचाई 47 प्रशित हो जावेगी.

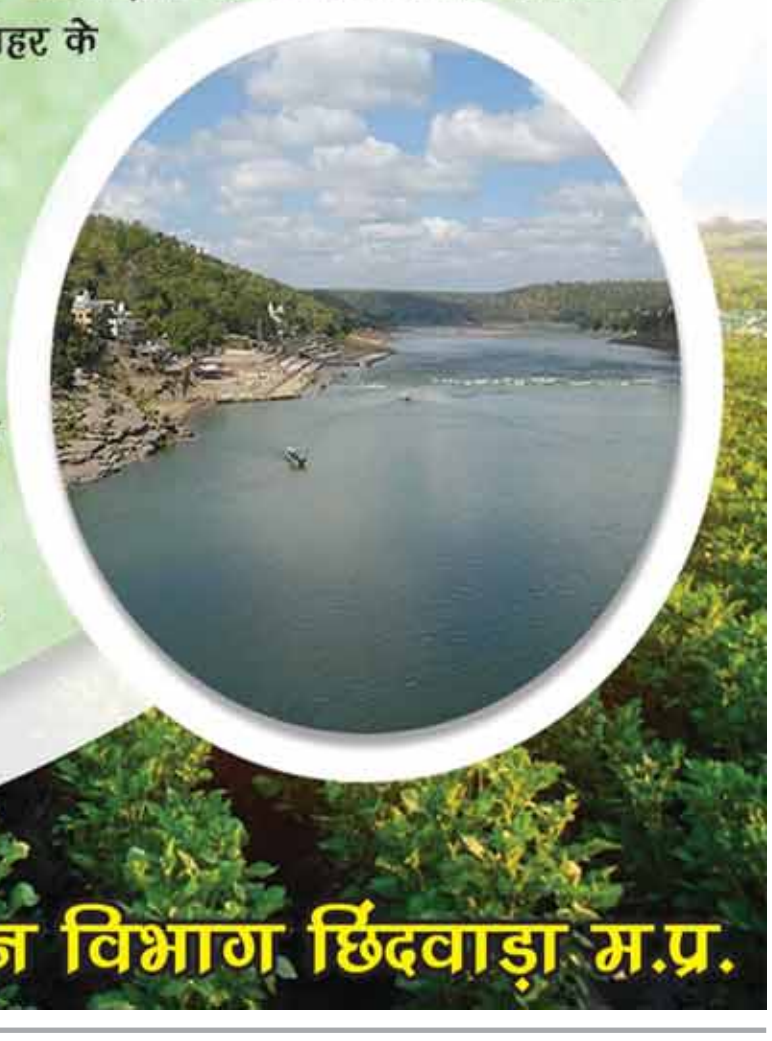

जल संसाधन विभाग छिंदवाड़ा म.प्र.

पुलिस के जन जागरूकता अभियान में सहयोग करें

नशा मुक्ति हो मध्यप्रदेश
किसी प्रकार का नशा
सेहत के लिए हानिकारक
नशा से बर्बाद हो रहे
परिवार को रोकें

शराब पीना स्वास्थ्य
के लिए हानिकारक

आबकारी विभाग
छिंदवाड़ा म.प्र.

संपादकीय

मातृभाषा से आशा

भले ही जनाधार खोते राजनेता नई शिक्षा नीति के तीन भाषा फॉर्मूले का विरोध अपनी राजनीति चमकाने के लिये कर रहे हों, लेकिन इस दिशा में किए गए नये प्रयोग आशा की नई किरण भी जगा रहे हैं। यह निर्विवाद सत्य है कि बच्चा अपनी मातृभाषा में जितनी आसानी और सहजता से सीख सकता है, उतना किसी थोपी गई भाषा में नहीं। तमाम शिक्षाविद् और भाषाविज्ञानी मानते रहे हैं कि दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले शब्दों व परिवेशगत ज्ञान विद्यार्थियों को जल्दी सीखने में मददगार हो सकता है। देश में 121 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं। वहीं मातृभाषाओं की संख्या सोलह से अधिक है। इतनी अधिक भाषायी विविधता वाले देश में, जब बच्चे अपने आसपास जो देखते और महसूस करते हैं, वो उनकी स्मृतियों में स्थायी बस जाते हैं। जब ये बातें उनके शैक्षिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनती हैं, तो वे इसका आसानी से अंगीकार कर लेते हैं। कई शिक्षा आयोगों ने भी इसी बात की वकालत की है। इसी सोच के चलते देश के विभिन्न भागों में तीन भाषा फॉर्मूले को लेकर कई प्रयोग हो रहे हैं। इस रचनात्मक पहल के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। जिसके निष्कर्ष बताते हैं कि मातृभाषा में पढ़ाई करने से बच्चों की सीखने की गति तेज हुई है। इससे साक्षरता की दर में सकारात्मक बदलाव आया है। इतना ही नहीं इससे जहां छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ा है, वहीं उनकी कक्षा में सहभागिता भी बढ़ी है। सही मायनों में नई शिक्षा नीति में तीन भाषा फॉर्मूले का मकसद भी यही रहा है। विगत के अनुभव बताते हैं कि जब छात्र-छात्राओं को उनकी मातृभाषा से इतर अन्य भाषा में पढ़ाया जाता रहा है तो इसका असर उनकी सीखने की प्रक्रिया पर पड़ता है। ऐसे में दूर-दराज के गांव-देहात या आदिवासी इलाकों से आने वाले विद्यार्थी अन्य शहरी बच्चों का मुकाबले करने में असफल हो जाते हैं। जिससे उनके स्कूल छोड़ने के प्रतिशत में भी वृद्धि होती है।

डिजिटल-क्रांति से ही नकली नोटों पर नियंत्रण संभव

ललित गर्ग

भारतीय रि?र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने न केवल अर्थव्यवस्था को, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और नागरिकों की जागरूकता को भी झकझोर कर रख दिया है। आरबीआई के गवर्नर द्वारा संसदीय समिति में प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 500 रूपये के लगभग 1.8 लाख नोट नकली पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। यह संख्या किसी सामान्य अपराध की नहीं, बल्कि राष्ट्र के विरुद्ध एक षड्यंत्र की कहानी कहती है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। यह न केवल नकली मुद्रा के ब?ते खतरे को रेखांकित करता है, बल्कि राष्ट्रविरोधी तंत्र की सुनियोजित साजिश का भी पर्दाफाश करता है। जबकि 2016 में नोटबंदी के ऐतिहासिक निर्णय के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भ्रष्टाचार, कालेधन और नकली नोटों के खिलाफ ल?ाई उनकी प्राथमिकताओं में है। नोटबंदी केवल एक आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव रखने वाला साहसी एवं युगांतरकारी कदम था।

आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध ल?ना प? रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ। इसमें विजय तभी संभव है, जब हम सब डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें। नकली मुद्रा का मुद्दा केवल एक आर्थिक अपराध नहीं है। यह एक प्रकार का आर्थिक आतंकवाद है, जिसका उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करना, महंगाई को ब?ाना, काले धन को ब?ावा देना और आतंकवाद को वित्त पोषण देना है। ये नकली नोट अधिकतर सीमापार से संचालित तंत्रों द्वारा भारत में भेजे जाते हैं, जो भारत की राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। इस तरह राष्ट्र के विरुद्ध ष?यंत्र, साजिश एवं ब? खतरों को अंजाम दिया जा रहा है। क्योंकि नकली नोट बा?ार में असली नोटों के साथ मिलकर मुद्रा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। आम नागरिक अनजाने में इन्हें ले लेता है और आर्थिक नुकसान उठाता है। यह काले धन और आतंकवाद को पोषित करता है। नकली नोट सरकारी योजनाओं की निष्पक्षता और वितरण प्रणाली को भी प्रभावित करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की डिजिटल क्रांति न केवल नकली नोटों को नियंत्रित करने का बल्कि राष्ट्र-विरोधी तत्वों को नेस्तनाबूद करने का सशक्त माध्यम है। यह मोदी की दूरदृष्टि एवं नये भारत-विकसित भारत के विजन की विजय है, उनके ही विचारों में डिजिटल लेन-देन केवल तकनीक नहीं, यह राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। आज के भारत की अर्थव्यवस्था एक निर्णायक दौर से गुजर रही है। डिजिटल ग्राम योजना, ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता अभियान यानी तकनीक को गाँव और गरीब तक पहुँचाने की पहल है। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश डिजिटल इंडिया की ओर तेजी से ब? रहा है, वहीं दूसरी ओर नकली नोटों की बा? एक अदृश्य आतंकवाद बनकर देश की अर्थव्यवस्था, समाज और सुरक्षा को चुनौती दे रही है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए।

प्रधानमंत्री मोदी ने हर मंच पर डिजिटल लेन-देन को ब?ावा देने की बात कही है। उन्होंने गाँव-गाँव जाकर लोगों को मोबाइल बैंकिंग, क्यूआर कोड, और कार्ड से भुगतान की शिक्षा देने की मुहिम चलाई है। इसका असर यह है कि आज भारत यूपीआई ट्रांजैक्शन में दुनिया में नंबर 1 है। डिजिटल इंडिया गरीब को ताकत देता है, मिडल क्लास को सुविधा देता है और राष्ट्र को मजबूती देता है। भारत की असली शक्ति अब डिजिटल प्रचलन बन रही है, जहाँ एक बटन से करो?ों का ट्रांजैक्शन सुरक्षित होता है। मोदी की डिजिटल क्रांति ने भारत को इक्कीसवीं सदी की आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में मजबूत आधार दे दिया है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस डिजिटल युद्ध में सहभागी बनें, नकली नोटों को ना कहें, डिजिटल लेन-देन को अपनाएं। यही राष्ट्रभक्ति है, यही समय की माँग है। संदिग्ध नकदी की सूचना तुरंत संबंधित एजेंसियों को दें। नकली नोटों की पहचान करना सीखें और दूसरों को भी जागरूक करें। निश्चित ही जहाँ नकली नोट देश की आत्मा को खोखला करते हैं, वहीं डिजिटल मुद्रा राष्ट्र की नींव को मजबूत करती है। निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। निस्संदेह, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ-ही-साथ डिजिटल भुगतान से जु? घपल्ले एवं घोटाले भी है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए। वहीं दूसरी आर्थिक अनियमितताएं करने वाले तत्वों से भी सख्ती से निबटा जाना चाहिए। हालांकि, दो हजार के नोट अब प्रचलन से बाहर हो चुके हैं, लेकिन उनका कानूनी आधार बना हुआ है। इस दिशा में यथाशीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि नकली मुद्रा के पीछे कुछ संगठित राष्ट्रविरोधी शक्तियाँ सक्रिय हैं। पाकिस्तान स्थित आईएसआई और उसके सहयोगी संगठनों पर पहले भी ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि वे नकली भारतीय मुद्रा भारत में भेजकर आतंकवाद और अलगाववाद को आर्थिक समर्थन देते हैं। देश की सरकार ने डिजिटल इंडिया, जनधन योजना, आधार लिंकिंग, और यूपीआई जैसी क्रांतिकारी योजनाओं के ?रिए नकदी पर निर्भरता घटाने का प्रयास किया है। नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान है। यह और भी ब?ी चिंता की बात है कि नोटबंदी के आठ साल बाद भी रियल एस्टेट क्षेत्र में काले धन का ब? पैमाने पर इस्तेमाल बना हुआ है। निस्संदेह, डिजिटल युग में भी 'नकदी ही राजा है' मानने वालों को रोकने के लिये जांच और कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश में लगी विदेशी ताकतों की नकली करेंसी के प्रसार में कितनी ब?ी भूमिका है। विगत में पाकिस्तान से ड्रग मनी व आतंकी संगठनों की मदद के लिये नकली करेंसी के उपयोग की खबरें सामने आती रही हैं।

ऊटपटांग सवाल गणित के

श्रीकांत आप्टे

गणित विषय में से ऊटपटांग सवाल निकाल दिए जाएं तो यह पढ़ने लायक विषय बन सकता है। इन्हीं ऊटपटांग सवालों के कारण गणित के नाम से बच्चे और बड़े दोनों की जान निकलती है। ऐसे ऊटपटांग सवाल तैयार करने के लिए बहुत उपजाऊ खोपड़ी चाहिए। इन सवाल तैयार करने वालों को मेरी सलाह है कि ऐसे आड़े-टेढ़े सवाल बनाने की बजाय कुछ अच्छे रोचक और सार्थक सवाल गणित की पुस्तक के लिए तैयार करें। सवालों में रोचकता होगी तो छात्र विषय में रुचि लेंगे।

जैसे मीना की उम्र है चौदह वर्ष। उसे भगाने का नेक इरादा रखने वाले राजेश को मीना के बालिग होने के लिए और कितने साल इंतज़ार करना पडेगा। एक और सवाल, राजेश मीना को उसके बर्थ डे पर अस्सी रुपये का गिफ्ट देना चाहता है। उसके पास पचपन रूपए हैं । राजेश को गिफ्ट खरीदने के लिए बाप के पर्स से कितने रुपये पार करना होंगे।

मुझे पता है कि नैतिकतावादी ऐसे सवालों पर निश्चित ही हल्ला करेंगे। उनसे मेरा निवेदन है की बात गणित के सवालों की हो रही है इसलिए वे इसमें नैतिकता के सवाल नहीं घुसाएं। अनैतिक सवाल पहले से गणित की पुस्तक में हैं। अपनी बात के समर्थन में चंद सवाल यहां पेश करूंगा। एक व्यापारी बीस रूपये का एक पेन पच्चीस रूपये में बेचकर पच्चीस फीसदी मुनाफा कमाता है। व्यापारी वह पेन कितने में बेचे कि मुनाफा पचास फीसदी हो जाए। छात्रों को मुनाफाखोरी सिखाना क्या नैतिकता है ? एक सवाल सूदखोरी सिखाने वाला मुलाहिजा फर्माएं। पांच फीसदी की दर से पांच सौ रुपए का साधारण ब्याज दो साल में पचास रुपए होता है। चक्रवृध्दि दर लगाने पर कितना अधिक ब्याज मिलेगा।

महाशय, ये मात्र उदाहरण हैं। इसीलिए कहता हूं कि गणित के सवालों को कृपया नैतिकता से दूर रखें।

मेरी सलाह है कि गणित विषय को व्यावहारिक बनाए जाने की जरूरत है। लेकिन इसमें हवाई बातें होती रहती हैं।

एक काम दो आदमी आठ दिन में पूरा करते हैं। वही काम आठ आदमी कितने दिन में पूरा करेंगे। सही जवाब है कि वह काम पूरा होगा ही नहीं। दो आदमी पहले से लगे हैं देखकर नये छ्- आदमी बीड़ी फूंकने बैठ जाएंगे। यह देखकर पुराने वाले दोनों सोचेंगे कि ये छ्-बीड़ी फूंकने की मजूरी ले रहे हैं तो वे भी बीड़ी फूंकते बैठे रहेंगे।

दस लीटर की एक टंकी में लगे ऊपर वाले नल से एक लीटर पानी प्रति मिनट भर रहा है और नीचे लगे नल से आधा लीटर पानी प्रति मिनट बह जाता है तो टंकी पूरी भरने में कितना समय लगेगा।

जिस मोहल्ले में तीन दिन से पानी नहीं आया हो वहां रहने वाला छात्र पूछेगा कि वह कौन सा मोहल्ला है जिसमें इतने बढ़िया प्रेशर से पानी आता है। उसका नाम बताओ। वहां जरूर वीआईपी लोग रहते होंगे।फिर बोलेगा कि पानी की किल्लत के चलते जो टंकी से बहता पानी देखकर भी उसे रोकने की कोशिश की बजाय गणित का सवाल पूछते खड़ा है उसमें लात क्यों न जमाई जाये।

इसीलिए मेरा सरकार से निवेदन है कि इतिहास से मुगलों को निकालने से पहले गणित को व्यावहारिक बनाने पर ध्यान दे।

गणित की पुस्तक में एक अध्याय औसत का और एक प्रतिशत का होता है। दोनों कमाल की चीज़ हैं। जो औसत का कमाल जानता है वह एक सूटेड बूटेड आदमी को अधनंगा और एक पूरे नंगे को अधनंगा साबित कर सकता है। फर्ज़ कीजिए एक आदमी सूटबूट पहने खड़ा है और दूसरा पूरा नंगा। गणित में होशियार छात्र बिना एक पल गंवाए बता देगा कि दोनों औसत अधनंगे हैं।

डॉक्टर मरीज को तसल्ली देते हुए कहता है कि आप बेफिक्र होकर यह ऑपरेशन करवा लें। इसमें बमुश्किल दस प्रतिशत रिस्क है। इसका मतलब होता है कि सौ मरीजों में से नब्बे मरीज बच जाते हैं और दस निपट जाते हैं। दस प्रतिशत रिस्क सुनकर मरीज खुशी-खुशी ऑपरेशन को तैयार हो जाता है क्योंकि कोई डॉक्टर मरीज को नहीं बताता कि प्यारे तुम अगर उन दस में हुए तो तुम पूरे सौ प्रतिशत मरोगे, दस प्रतिशत नहीं।

चिमनलालजी पिछले पांचो चुनाव हार गये। कितना नकारात्मक तरीका है यह चिमनलालजी के खिलाफ। इसे सकारात्मक तरीके से भी कहा जा सकता है कि चिमनलालजी पिछले पांचो चुनावों में लगातार हारने में हंड्रेड पर्सेंट सफल रहे हैं। चुनावों मे हार-जीत तो लगी रहती है। देखने वाली बात ये है कि पिछली बार के मुकाबले उनका वोट दस प्रतिशत बढ़ा है।

बीस रुपए प्रतिदिन मजदूरी को पांच रुपए प्रतिदिन बढ़ाकर पच्चीस रुपए कर दिया। सरकारी विज्ञप्ति छपती है कि मजदूरों की मजदूरी में पच्चीस प्रतिशत की वृध्दि।

सरकारी योजनाएं औसत, प्रतिशत की बैसाखियों पर ही टिकी रहती हैं। सरकारी योजनाओं के फूल औसत, प्रतिशत की फुलवारी में ही खिलते हैं। बजट की सारी बाजीगरी प्रतिशत में होती है। पांच रुपए में रियायत दी पचास पैसे की। बजट भाषण बताता है दस प्रतिशत की रियायत। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि महंगाई पांच प्रतिशत कम हुई।खबर पढ़कर मैं बाज़ार जाता हूं और दस की जगह पंद्रह रुपए चुकाकर आता हूं। औसत का खेल, प्रतिशत का जादू। आम आदमी हूं

अभियान और हकीकत बताते नकली बातें

सरयूसुत मिश्रा

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य सरकारों को पत्र लिखकर नकली खाद पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाने की अपेक्षा की है..!!

हर मानसून में बुआई के लिए किसानों के सामने उर्वरक का संकट होता है. कालाबाजारी होती है. बढ़ती मांग को देखते हुए नकली खाद भी बिकने लगता है. केंद्र सरकार में हर कृषि मंत्री राज्यों को ऐसे डायरेक्शन देने की औपचारिकता निभाता है. वर्तमान कृषि मंत्री राज्य में सोलह साल मुख्यमंत्री रह चुके हैं.अगर राज्य प्रशासन नकली खाद बीज पर नियंत्रण करने में सक्षम होते तो नकली खाद बीज की समस्या इतना विकराल रूप नहीं ले पाती.

नकली और मिलावटी खाद्य सामग्री आज सबसे बड़ी त्रासदी बनी हुई है. नकलीपन आदत का हिस्सा बन चुका है. कृषि मंत्री के पत्र पर राज्य सरकार अगर सक्रिय होती हैं और किसानों को नकली खाद और बीज से निजात मिलने में कुछ प्रतिशत भी सफलता मिलती है, तो निश्चित ही ऐसे प्रयास सराहनीय ही कहे जाएंगे.

अगर मध्य प्रदेश का ही उदाहरण लिया जाए तो केंद्रीय कृषि मंत्री राज्य में लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे हैं. लगभग हर साल राज्य में खाद का संकट बना हुआ था. यहां तक कि कई बार तो किसानों को रात-रातभर खाद के लिए भटकना पड़ा था. यहां तक कि कई बार कानून व्यवस्था की स्थिति भी निर्मित हो जाती थी. कागजों पर अभियान हर साल चलते थे. लेकिन आज तक ना नकली खाद और ना ही बीज का व्यवसाय रुक सका है. धड़ल्ले से यह सब व्यवसाय चल रहे हैं. अब तो यह स्वीकार ही कर लिया गया है, कि बाजार में शुद्ध चीज मिल ही नहीं सकती.

नकलीपन हमारी असलियत बन गई है. अब तो ऐसा लगने लगा है, कि राजनीति समाज में ऐसी कंडीशनिंग कर रही है, कि असली के बदले नकली को प्रमुखता मिल गई है. कर्महीनता बढ़ाई जा रही है. लोभ विकसित किया जा रहा है. मुफ्तखोरी राजनीति का कारगर हथियार बन गया है. हमको भले ही ऐसा लगता है, कि यह सब तो चलता है, लेकिन ऐसी ही आदतों के कारण नकलीपन बढ़ता है. जब बिना मेहनत के राजनीति सब कुछ देने लगती है, तो इंसान ही अपनी असलियत भूल जाता है. वह नकली जीवन ही जीने लगता है.

कौन सी वस्तु है, जिसकी असली होने की कोई भी व्यवस्था गारंटी ले सकती है. सबसे ज्यादा नकली तो इंसान खुद बन गया है. जो वह सोचता है, वह प्रकट नहीं करता. जो प्रकट करता है, वह कभी करता नहीं है. राजनीति में ना कहने की परंपरा नहीं है और हां करते-करते भी कोई काम पूरा किया नहीं जाता है. इसे हम असली कहेंगे या नकली.

जो काम नहीं हो सकता है उसको ना कहना आना ही चाहिए, लेकिन राजनीति में ना कहने वाला राजनेता नकार दिया जाता है. उस राजनेता को अच्छा माना जाता है जो काम भले नहीं हो, लेकिन किसी को भी मना नहीं करे. राजनीति में काम करने वाले लोग यह जानते हैं कि जिस भी काम के लिए वह पत्र लिख रहे हैं, या फोन कर रहे हैं वह होने योग्य ही नहीं है, लेकिन फिर भी नेतागिरी के लिए बात आगे बढ़ा दी जाती है. ना करने का उनमें साहस नहीं है.

खाद बीज नकली नहीं मिल रहा है, आईएएस भी नकली पकड़े जाते हैं. जयपुर में तो जज भी नकली पकड़े गए थे. आधार कार्ड नकली, जाति प्रमाण पत्र नकली और यहां तक कि पासपोर्ट भी नकली पाए जाते हैं. भारत एक ऐसा मुल्क है जहां नागरिकता का कोई रजिस्टर ही नहीं है. यहां की राजनीति एनआरसी का इसलिए विरोध करती ,है कि जो लोग उसमें छूटेंगे वह उसके वोटर हो सकते हैं. इलेक्शन कमीशन बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण में ऐसे मतदाता पकड़ रहा है, जो विदेशी नागरिक हैं और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वोटर लिस्ट में शामिल हो गए.

शिक्षा की नकली डिग्री के किस्से आए दिन उछलते हैं. ऐसी घटनाएं आती है जहां खाने-पीने की वस्तुओं में मिलावट के मामले पकड़े जाते हैं. मिलावट ऐसी जो जानलेवा साबित होती है. सरकारों द्वारा बनाए गए पुल टूट जाते हैं. डैम बारिश में बह जाते हैं. ऐसी समाज में कितनी घटनाएं सामने आती हैं, जो यह बताती हैं, कि इनको बनाने वाले खड़े असली बुनियाद पर हैं, लेकिन उनकी असलियत नकली जैसी है.

कहां-कहां देखेंगे हर जगह नकली मिल जाएंगे. अतिक्रमण भी नकली हो रहे हैं. जो अतिक्रमण कर रहे हैं, उनके बड़े-बड़े मकान हैं. वह तो अतिक्रमण कर झुग्गी बनाकर बेचने का व्यवसाय कर रहे हैं. राजनीति में ज्यादा दखल नकली सेक्टर का ही होता है. नकली बातें होती हैं. नकली वायदे होते हैं.

समाज में लोभ को बढ़ाने का काम राजनीति कर रही है. लोभ जब आदत और संस्कार बन जाता है, तो फिर असली निकली दिखाई नहीं पड़ता. केवल कमाई दिखाई पड़ती है. नकली व्यवसाय करने वाले लोग कभी सोचते भी नहीं कि इससे किसी की लाइफ बर्बाद हो सकती है. नकली दवाओं का व्यापार सर्व विदित है.

अधिकतम और न्यूनतम मूल्य का जो बाजार है. यह भी असली से काफी दूर दिखता है. केवल दवाओं की बात की जाए तो अलग-अलग दुकानदार एक ही दवा पर अलग-अलग कमीशन देने को तैयार हैं. वही दवा सरकारी अस्पतालों में जिस रेट पर खरीदी जाती है, वह बाजार रेट से कई गुना ज्यादा होती है.

खेती-किसानी के सामने तो नकली खाद ,बीज की समस्या दशकों से चली आ रही है. चुनाव में काले धन की जो अर्थव्यवस्था है, उसमें कालाबाजारी करने वाला ही सहयोगी हो सकता है. ईमानदारी से व्यवसाय करने वाला तो काले धन की जरूरत को पूरा नहीं कर सकता है. संकट केवल नकली खाद , बीज तक सीमित नहीं है. संकट नकली इंसान तक पहुंच गया है.

आत्मा पर स्वार्थ ने अतिक्रमण कर लिया है. यह ऐसी बुनियादी समस्याएं हैं, जो आसानी से समाधान नहीं हो सकतीं. इसके लिए ऐसे संस्कार विकसित करने पड़ेंगे, जो देश में असली व्यक्तित्व मजबूती से खड़ा कर सकें. जो ऐसे हों जो सच को सच कहने का साहस दिखा सकें.

अगर केवल औपचारिकता के लिए बात कहना है, अभियान चलाने की अपेक्षा करना है, तो फिर तो हमेशा से यही चल रहा है और आगे भी चलता रहेगा. किसानों को नकली खाद बीज का संकट बना हुआ था और आगे भी बना रहेगा. नकलीपन से कमाई करने वाला अचानक खत्म तो नहीं हो जाएगा.

विश्व युवा कौशल दिवस - युवाओं के कौशल के संरक्षण के लिए योगाधारित शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता

योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रो? भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर आने वाले बच्चों का योग से जु? रहें इसका विशेष ध्यान रखा जाता है। बच्चों में सीखने की जिज्ञासा ब? ऐसा अभ्यास करवाया जाता है। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि आदर्श शिक्षा आर्थिक परिणामों से सम्बद्ध नहीं होनी चाहिये ।

आज भी कई ऐसे देश और समाज हैं जहां भारी संख?या में युवा बेरोजगार हैं। यह एक वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे में उन्?हें कौशल बनाने और उनकी क्षमता के विकास के लिए जागरूकता पैदा करना ज़रूरी है। इसलिए हर साल 15 जुलाई के दिन विश्व युवा कौशल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस युवाओं को रोजगार, अच्छे काम और उद्यमिता के लिए कौशल से लैस करने के रणनीतिक महत्व पर केंद्रित है। जिससे वह बेहतर अवसरों की तलाश कर रोज़गार प्राप्त कर सकें। इस वर्ष की थीम है, %एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण.

योग गुरु महेश अग्रवाल ने सकारात्मक विकास के बारे बताया कि कल्पना कीजिए कि पूरे विश्व के स्कूलों में गणित या विज्ञान की तरह योग पढ़ाया जाए तो क्या होगा? जब हम यह मानते हैं कि विश्व की साठ प्रतिशत जनसंख्या बच्चों की है तो परिणाम अवश्य अचंभित करने वाले होंगे। हर जगह युवाजन सुव्यवस्थित, स्वस्थ और खुश होंगे। वे संवेदनशील और समझदार, शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ, अपनी क्षमताओं के प्रति अधिक सजग और उनके कार्यान्वयन में अधिक समर्थ होंगे। अपने आध्यात्मिक अनुभव के कारण वे चेतना के उच्चतर स्तर पर कार्य करने में सक्षम होंगे। अपने इस अनुभव का उपयोग वे अपने बाह्य जीवन में, अपने व्यवसाय में और सामाजिक उत्तरदायित्वों में कर सकते हैं। योग सेवा के लिए प्रोत्साहित करता है, इसका उपयोग मानवता को लाभ पहुँचाने में किया जा सकता है। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में योग का समावेश करने पर वहाँ से बेहतर स्नातक बाहर आयेंगे जो अपने काम में अपनी बुद्धि उपयोग अधिक सजगता से करेंगे। युवा या वृद्ध, हर व्यक्ति को योगोन्मुख होना चाहिए। युवा वर्ग तथा सारे विश्व के भविष्य को योग जैसी प्रणाली की आवश्यकता होगी। योग का अर्थ है %संगम% और इसे हम वैश्विक स्तर पर प्राप्त कर सकते हैं - समस्त विश्व के लोगों का सौहार्द्रपूर्ण संगम योग के माध्यम से हर व्यक्ति अपनी संस्कृति और अपने जीवन के बारे में ऐसी सूक्ष्म जानकारी प्राप्त कर सकेगा जो पहले उसके लिए अकल्पनीय थी।

योग गुरु अग्रवाल नें छात्र असंतोष और उसका निदान के बारे में बताया कि हम एक ऐसे समय से गुज़र रहे हैं जब असंतोष सामान्य रूप से व्याप्त है। आप जिससे भी मिलें और बात करें, वह जीवन की वर्तमान परिस्थितियों के प्रति असंतोष व्यक्त करेगा। आज का मानव स्वयं को अपनी परिस्थितियों के अनुकूल बनाने में असमर्थ है। उसे अपने जीवन के लक्ष्य की भी जानकारी नहीं है। उसके जीवन का न तो कोई उद्देश्य है, न कोई दिशा और न ही कोई दर्शन है। वह दूसरों से भयभीत है और स्वयं को परिस्थितियों का शिकार मानता है। हर क्षण उसे टूटने का भय रहता है। ऐसी दशा में सहज रूप से क्रोध का विस्फोट होना स्वाभाविक है। हमारे छात्र भी इसके अपवाद नहीं हैं। हमारे युवाओं के हिंसक पशुओं जैसे व्यवहार के पीछे कुछ अन्य अंतर्निष्ठ कारण हैं जो उन्हें शांति के शत्रु बना देते हैं। हमने इसे छात्र असंतोष की संज्ञा दी है। सामान्यतः लोग इस समस्या की जड़ में जाने का प्रयास नहीं करते हैं, वे बहुत आसानी से इसे देश की सामाजिक, राजनैतिक या आर्थिक समस्याओं से जोड़ देते हैं। कुछ लोग हमारी शिक्षा व्यवस्था को दोष देते हैं और बिना किसी ठोस और निश्चित समाधान के परिवर्तन का सुझाव देते हैं। हमारी शिक्षा व्यवस्था के साथ पहले ही अनेक प्रयोग किये जा चुके हैं और परिणाम यह हुआ कि उपचार व्याधि से अधिक भयंकर सिद्ध हुआ। अब समय आ गया है जब शिक्षाविद् साथ बैठकर कारणों का पता लगाएँ और इस रोग का प्रभावकारी उपचार करें। हमारी आधुनिक शिक्षा संस्थाएँ प्रभावशाली ढंग से अपनी भूमिका का निर्वहन नहीं कर पा रही हैं। वे ऐसे कारखानों से अधिक कुछ भी नहीं जो पैसा बनाने वाली मशीनें तैयार करते हैं। जब मशीनों में त्रुटि आ जाती है तब उनसे समस्या उत्पन्न होना तो स्वाभाविक है।

योग गुरु अग्रवाल नें धन का उपार्जन या दिव्यता का सृजन के बारे में बताया कि माता-पिता भी अपने बच्चों को आर्थिक दृष्टिकोण से ही देखते हैं। यह अत्यन्त दुःखद स्थिति है। उन्हें यह सोचना चाहिए कि उनके बच्चे दिव्य आत्मा के स्फुलिंग हैं। वे बच्चे कहीं से उनके पास आये हैं और जब तक उनका पूर्ण विकास नहीं हो जाता वे उनके न्यासी (ट्रस्टी) हैं। शिक्षा की समसामयिक पद्धतियों के अंतर्गत माता-पिता अपने बच्चों को जीवन की सभी आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करते हैं। लेकिन इसके बदले वे अधिक-से-अधिक क्या पाते हैं? एक डिग्रीधारी अहंकारी, एक सुंदर किंतु अनुशासनविहीन पशु। विद्यालयों में जाने वाले सौ लड़कों में से साठ उच्छृंखल और उद्दण्ड होकर निकलते हैं। यह उस कथन की याद दिलाता है, %ऑपरेशन तो सफल हुआ, लेकिन दुर्भाग्यवश रोगी की मृत्यु हो गयी।% बड़े-बड़े विश्वविद्यालय, विशाल संस्थाएँ, सुसम्पन्न पुस्तकालय और शिक्षा के अन्य महान् केन्द्र भले ही अन्य उद्देश्यों की पूर्ति करते हों, लेकिन जिस उद्देश्य के लिए उनकी स्थापना की गयी थी वह तब तक पूरी नहीं होती जब तक वे मनुष्य में वास्तविक गरिमा उत्पन्न करने में सफल नहीं होते।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि पारस मणि है योग। हठ योग की हमारी प्राचीन पद्धति इस विकट समस्या का एक समाधान है। यह शरीर को शुद्ध करती है। प्राणायाम एवं मुद्राएँ अशांत मन को शांत करती हैं और अंतःस्रावी त्रुटियों को समायोजित करती हैं। इन अभ्यासों से स्वतः व्यवहार में गंभीरता आ जाती है। सच्चरित्रता तथा सौम्यता मनुष्य की आंतरिक शुद्धता की अभिव्यक्तियाँ हैं। केवल भाषणों के द्वारा ऐसे गुणों से अनुप्राणित नहीं किया जा सकता है। अभ्यासों का निष्पादन होना चाहिए। प्राणायाम में मनुष्य की नाड़ियों, ग्रंथियों और अन्य शारीरिक क्रियाओं को प्रभावित करने की क्षमता होती है। यह गलत व्यवहार को सुधार सकता है, त्रुटिपूर्ण मानसिक स्वरूप को व्यवस्थित कर सकता है और दूसरे लोगों तथा वातावरण के प्रति अभिवृत्ति में परिवर्तन ला सकता है। मनुष्य के सम्मुख आने वाले विषयों के मूल्यांकन में और परिस्थितियों के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उसकी मानसिक दशाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। यदि हम सचमुच युवाओं के बढ़ते हुए असंतोष को समाप्त करना चाहते हैं तो हमें मस्तिष्क के उन उत्तेजित केंद्रों के प्रति सजग होकर उन्हें इस प्रकार नियंत्रित करना होगा कि छात्र स्वयं उस मनोवृत्ति से घृणा करने लगेंगे जो उन्हें उत्तेजित करती है। छात्रों को इस प्रकार प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि उनमें सजगता के साथ युक्तिसंगत कार्यों को करने की क्षमता आ जाए और वे उनका उत्तरदायित्व स्वीकार करने के लिए तत्पर रहें। अब शिक्षाशास्त्रियों को अपनी जिम्मेवारी को समझते हुए विश्वसनीय एवं प्रभावकारी पद्धतियों के द्वारा छात्रों का सार्थक ढंग से निर्देशन करना चाहिए।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया युवाओं के बीच योग की लोकप्रियता आजकल एक विचित्र घटना घट रही है। हालांकि युवाओं ने अधिकांश पुराने विचारों को अस्वीकार कर दिया है, यहाँ तक कि उन विचारों को भी जो दस वर्ष पहले तक प्रचलित थे, लेकिन वे बड़ी संख्या में योग की प्राचीन परंपरा की शरण में आ रहे हैं। हर अवस्था-समूह में योग का अभ्यास करने वाले लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है, लेकिन युवाजन योग के प्रति विशेष रूप से आकर्षित हुए हैं। ऐसा क्यों है? क्यों सारे संसार के युवाओं ने योग को अपनी जीवन-शैली के रूप में अपनाना आरंभ कर दिया है? वयस्कों को इस तथ्य पर सावधानी से चिंतन करना चाहिए, क्योंकि मानव इतिहास में जो भी महत्वपूर्ण परिवर्तन आये हैं वे युवा असन्तोष के माध्यम से ही आये हैं, जो आगे चलकर वयस्क जीवन में परिवर्तन का कारण बना है।

विश्व में व्याप्त परिस्थितियों ने इसे संभव कर दिया है। आधुनिक तकनीकों और व्यापक शिक्षा ने युवाओं को अपने मन के लायक काम करने के अवसर दिये हैं और अनेक सुविधाएँ दी हैं। वास्तविक तथ्य यह है कि युवा तरह-तरह के जो प्रयोग कर रहे हैं वह असल में मानव क्रम विकास में उनका सकारात्मक योगदान है। बुजुर्ग उन्हें देखें और उनसे सीखें। सत्य की खोज में लगे युवाओं ने विश्वव्यापी स्तर पर योग को अपनाया है। उन्होंने यह पाया है कि योग उन्हें अंधविश्वासों और घिसे-पिटे विचारों को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं करता है। यह केवल विधियाँ सिखाता है और लोगों को उनसे प्राप्त होने वाले अनुभवों को स्वयं समझने का सुझाव देता है। योग लोगों को ऐसी जीवनशैली देता है जो राष्ट्रीय सीमाओं से परे है। यह एक ऐसी घटना है जो पूरे इतिहास के लिए नयी है और अधिकतर लोग इसे समझ नहीं पा रहे हैं। यदि मैं भारतीय हूँ तो अन्य देशों की अपेक्षा भारत से अधिक प्यार होना चाहिए। यदि मैं अँगरेज़ हूँ तो इंग्लैंड मेरे लिए सबसे महान् देश होना चाहिए। अधिकतर लोगों के मन में ऐसी विचारधारा के औचित्य के बारे में प्रश्न नहीं आते। लेकिन आज का युवा बुद्धिमान् है, वह जानता है कि यह सत्य नहीं है। यह केवल अंधविश्वास है जो युगों से व्यर्थ के झगड़ों का कारण रहा है। हजारों वर्षों तक अंधकार में पड़े रहने के बाद योग पुनः प्रकाश में आ गया है, क्योंकि यह वर्तमान युवा प्रज्ञा की मांग है। यदि योग भी अंधविश्वास या असत्य भरे उपदेश देता या अपने ही बंधुओं के विरुद्ध नारा देता तो युवाओं ने इसे जिस तरह अपनाया है, वह तो नहीं ही होता, वे उसकी ओर देखते भी नहीं। यदि योग ने कहा होता, %यही जीवन जीने की एक मात्र पद्धति है, अन्य पद्धतियाँ गलत हैं% तो युवा इसकी ओर कतई आकर्षित नहीं होते।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

टोरी बागरोद विद्यालय में विधायक शर्मा ने किया औचक निरीक्षण, मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

सिरोंज। शहर से कुछ किलोमीटर दूर स्थित ग्राम टोरी बागरोद के हाई स्कूल में क्षेत्रीय विधायक श्री उमाकांत शर्मा ने अनुविभागीय अधिकारी हर्षल चौधरी के साथ औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विगत परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री शर्मा ने विद्यालय में संचालित कंप्यूटर कक्षा का भी निरीक्षण किया और विद्यार्थियों से कंप्यूटर चलवाकर उनकी दक्षता का अवलोकन किया। उन्होंने घोषणा की कि जो छात्र एक माह में हिंदी टाइपिंग सीख लेंगे, उन्हें ?1000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। विधायक उमाकांत शर्मा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश और प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में तीव्र गति से विकास हो रहा है। उन्होंने विद्यालय की स्वच्छता व्यवस्था और शैक्षणिक गतिविधियों में और अधिक सुधार हेतु प्रधानाचार्य और शिक्षकों को आवश्यक निर्देश भी दिए।

घुघरी में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मंडला--शासकीय कन्या उच्च.माध्य.शाला घुघरी में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती शालिनी तिवारी महिला एवं बाल विकास विभाग मण्डला के निर्देशन में बेटी बचाओ बेटी प?ाओ योजना अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को परियोजना अधिकारी सुश्री प्रेरणा मर्सकोले द्वारा महिला हेल्पलाईन नंबर 181 एवं चाइल्ड हेल्पलाईन नं. 1098 के बारे में छात्राओं को सुरक्षा के लिये जागरूक करने हेतु समझाईश दी गई। साथ ही गुड टच और बैड टच के बारे में जागरुक करने की आवश्यकता का महत्व बताया गया। वन स्टॉप सेंटर द्वारा दी जाने वाली सहायताओं से भी सभी को अवगत कराया और पीसीपीएनडीटी एक्ट गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम के बारे में जानकारी दी गई।

करंट की चपेट मे आया बालक

शहडोल। जिले से सटे ग्राम लमरों में एक बालक करंट की चपेट में आ गया। बालक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार शिवम सिंह पिता नरेश सिंह 6 वर्ष घर में खेल रहा था, इस दौरान वह करंट की चपेट में आकर बुरी तरह घायल हो गया।

आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

शहडोल – कलेक्टर ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से शहडोल के वार्ड नम्बर 6 कहार मोहल्ला भारत माता स्कूल के पास, सोहागपुर निवासी श्री गोपालदास बंसल को उपचार हेतु 65 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

बारिश मे ऐसे करें मलेरिया एवं डेंगू रोग के लक्षण एवं बचाव

शहडोल– बरसात मे मलेरिया एवं डेगू रोग फैलता है। जिसमें मरीज को ठंड लगकर बुखार आती है, बरसात के दिनो में पानी जमा हो जाता है जो खेत, तालाब, गड्ढे, खाई, घर के आस-पास रखे हुवे टूटे-फूटे डब्बे, पुराने टायर, पशु के पानी पीने के हौज इत्यादि। इस प्रकार के भरे हुए पानी में मच्छर के लार्वा पैदा होते है जो बाद में मच्छर बनकर रोग फैलाते है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि मलेरिया से बचाव हेतु घर के आसपास पानी जमा ना होने दे, रूके हुए पानी में मिट्टी का तेल या जला हुआ ऑयल डालें।

झाबुआ चातुर्मासः क्षेत्र का इकलौता 52 जिनालय, साध्वीवृंद के सानिध्य में बह रही ज्ञान गंगा

झाबुआ। झाबुआ के श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक श्री संघ के चातुर्मास के अवसर पर 52 जिनालय स्थित राजेंद्र जैन त्रिस्तुतिक पौषध भवन में साध्वी रत्न रेखा, साध्वी अविचल दृष्टा और साध्वी कल्पदर्शिता का मंगल विहार चल रहा है। ये सभी आचार्य श्रीमद् विजय हेमेंद्र सूरीश्वरजी की समुदायवर्तिनी गुरुणी पुष्पा की सुशिष्या हैं। साध्वीवृंद के सान्निध्य में प्रतिदिन सुबह 9-30 बजे से पौषध भवन में धर्मसभा का आयोजन हो रहा है, जिसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं।

विशेष उल्लेखनीय है कि 52 जिनालय का ऐतिहासिक रूप से प्रतिष्ठापन परम पूज्य गुरुदेव राजेंद्र सरस्वती महाराज साहब के करकमलों से 1952 संवत में हुआ था। पहले यह स्थान एक छोटा सा जिनालय था, जिसे गुरुदेव ने अपने विशेष प्रयासों से 52 जिनालय के भव्य स्वरूप में प्रतिष्ठित किया। आज यही स्थान जैन समाज की आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया है।

रविवार को मुंबई से 25 श्रावकङ्कश्राविकाओं का दल दर्शन वंदन हेतु झाबुआ पहुंचा। धर्मसभा के तीसरे दिन साध्वी कल्पदर्शिता ने जैन आगमों की परंपरा, गणधर भगवंतों की भूमिका और धर्म के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रारंभ में परमात्मा की वाणी को लिखित रूप देने का विरोध था, ताड़ पत्र पर लिखने के लिए उपवास का दंड तय था, और बाद में सोने की शाही से अक्षर अंकित करने की परंपरा शुरू हुई। उत्तराध्ययन सूत्र के अनुसार सर्वप्रथम विनय गुण का पालन आवश्यक बताया गया–परमात्मा का संदेश है कि हर व्यक्ति स्वयं का गुरु बने।

साध्वी अविचल दृष्टा ने महासती मदन रेखा के जीवन चरित्र का वाचन करते हुए बताया कि अर्जुन माली की 1107 हत्या के बाद सुदर्शन सेठ माध्य बने और मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने चिलाती पुत्र और सुषमा के उदाहरण से समझाया कि जो व्यक्ति कर्म में आगे रहता है, वही धर्म में भी आगे बढ़ सकता है। उपशम, विवेक और संवर के तीन शब्दों के महत्व को रेखांकित किया गया– उपशम से बुरे विचारों पर नियंत्रण, विवेक से सही निर्णय और संवर से आस्रव भावों को रोकना चाहिए।

धर्मसभा में संघ अध्यक्ष संजय जी मेहता सहित वरिष्ठ श्रावक अशोक कटारिया, ओएल जैन, मनोहर लाल छाजेड़, राजेश मेहता, अनिल रुनवाल, कमलेश कोठारी, निखिल भंडारी, अशोक राठौड़, मनोज संघवी, भरत बाबेल, डॉ. प्रदीप संघवी, अनिल राठौर, राजेंद्र रुनवाल, रिंकू रुनवाल, नरेंद्र पगारिया, कमलेश भंडारी, चैत्य मुथा, मनोज जैन, संजय नाहटा, मनोज मुथा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

चातुर्मास के इस पावन अवसर पर साध्वीवृंद के मार्गदर्शन में धर्म, साधना और आत्मकल्याण की प्रेरणा मिल रही है, और 52 जिनालय की यह ऐतिहासिक धरोहर समाज को एक नई ऊर्जा दे रही है।

हर समस्या का हल बल प्रयोग नहीं है

मुख्यमंत्री करणी सेना से बात कर समाधान निकालें

भोपाल । पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजयसिंह ने करणी सेना के लोगों पर पुलिस लाठी चार्ज को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि हर समस्या का हल बल प्रयोग नहीं है। इससे हालात सुधरने के बजाय और बिगड़ जाते है. और यही हुआ भी। अब करणी सेना का विरोध प्रदर्शन धीरे-धीरे अन्य जिलों में भी फैलता जा रहा है। आगे और अप्रिय स्थिति बने इसके पूर्व प्रशासन को आपसी बातचीत से ही हल निकालना चालिए ।

अजयसिंह ने कहा कि जिस व्यक्ति ने उसके साथ हीरा खरीदी में हुई धोखाधड़ी की रिपोर्ट पुलिस में कराई थी वह करणी सेना परिवार का ही सदस्य था। पुलिस ने उसे गंभीरता से न लेते हुए गिरफ्तार आरोपी से साधारण पूछताछ के बाद छोड़ दिया। पुलिस ने मामले में कोई गंभीरता नही दिखाई बल्कि करणी सेना के सदस्यों ने थाने में संपर्क किया तो उन पर ही लाठी

चार्ज कर दिया और करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर सहित अन्य सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। बस यहीं से स्थिति बिगड़ गयी।

अजय सिंह ने मुख्य मंत्री मोहन यादव से आग्रह किया है कि व्यक्तिगत रूचि लेकर पूरे घटनाक्रम को गंभीरता से लें औरधोखाधड़ी के आरोपियों पर कार्यवाही करें। करणी सेना के पदाधिकारियों से बातचीत कर उनकी बात सुनें और शांति बहाल करवायें ।

तपोभूमि देवबड़ला में प्रथम सावन सोमवार पर श्रद्धालुओं ने बाबा विल्वैश्वर महादेव को जल अर्पण किया

तपोभूमि देवबड़ला में प्रथम सावन सोमवार पर श्रद्धालुओं ने बाबा विल्वैश्वर महादेव को जल अर्पण किया नेवज नदी के उद्गम स्थल व पुरातात्विक धरोहर देवांचल धाम देवबड़ला बिलपान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवबड़ला पोहचे मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री ओंकार सिंह भगत जी ने बताया आज प्रथम सावन सोमवार के शुभ अवसर पर क्षेत्र व दुर दराज से भक्तजन बाबा विल्वैश्वर महादेव का जलाभिषेक किया

देवबड़ला स्मारक इंतजार कुंवर विजेंद्र सिंह भाटी ने बताया देवाधिदेव महादेव भूत भावन भगवान शंकर की आराधना का पर्व साधना आस्था श्रद्धा विश्वास का पवित्र श्रावण मास मे क्षेत्र की माता बहने व भक्ति जन अपने गांव से कावड़ कलश में जलने पर बाबा महादेव को चढ़ाने पैदल आते हैं बाबा का जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख शांति के लिए मंगलकामनाएं करते हैंभाटी ने आस्था श्रद्धा भक्ति मान मर्यादा संस्कार संस्कृति एवं मर्यादा को ध्यान में रखते हुए समस्त जनमानस से विनम्र निवेदन किया है आप जब भी मंदिर जाए तो मर्यादित वस्त्र पहनकर ही जाए

जिंस टी शर्ट नेकर केपरी व शर्ट्स पहनकर ना जाए अर्ध नग्न अवस्था में जाकर मंदिर की गरिमा को ठेस ना पहुंचे

राजपूताना पोशाक साड़ी व सलवार सूट ही अलाव है सिर भी ढका हुआ बोला चाहिए पुरुषों के लिए हमारी सनातन संस्कृति के अनुसार धोती कुर्ता पगड़ी व कुर्ता पजामा ही पहनकर जाए पूर्णता रुप से देवबड़ला मंदिर पर शर्ट्स पहनकर जाना प्रतिबंधित नियम का उल्लंघन करने पर आपके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है

एसडीएम के प्रयास से घंटो का काम हो रहा मिनटो में, आम नागरिको में हर्ष

आधार केन्द्र पर आम नागरिको को मिल रही बैठने की व्यवस्था, काम हो रहा फटाफट

सिरोंज। एसडीएम हर्षल चौधरी के प्रयास से नगर में 7 नए आधार केन्द्र खुलने से अब आम नागरिको को अपने आधार में संशोधन के लिए यहा वहा भटकना नही पड रहा है। तो वही तहसील परिसर स्थित बीआरसी भवन में संचालित आधार केन्द्र पर ग्रामीण क्षेत्रो से आने वाले नागरिको को बैठने की व्यवस्था के साथ समय पर उनका काम किया जा रहा है। जिसके चलते उपभोक्ताओं में भी हर्ष व्याप्त है। जब मीडिया ने आधार केन्द्र पर आए नागरिको से चर्चा की तो उन्होने बताया कि पहले हम जब अपने आधार में संशोधन के लिए आधार केन्द्र पर आते थे तो दिन भर लाइन में खडें होने के बाद भी हमारा काम नही हो पाता था। लेकिन अब तो बडी आसानी से हमारे आधार का कार्य हो गया। ग्राम कमरिया निवासी कमलेश कुशवाह ने बताया कि पहले के मुताबिक आधार केन्द्र बडने से आम नागरिको का परेशानियो का सामना करना नही पड रहा। उन्होने कहा कि विगत एक माह पहले में अपने पुत्र के आधार में संशोधन के लिए आधार केन्द्र पर आया और सुबह टोकन लेने के बाद भी देर शाम तक मेरा काम नही हो

पाया। लेकिन आज जैसे ही में अपने आधार में संशोधन के लिए तहसील परिसर में स्थित बीआरसी भवन में संचालित आधार केन्द्र पर आया तो कुछ ही मिनटो में मेरे आधार में संशोधन हो गया। साथ ही पहले के मुताबिक केन्द्र पर बैठने की व्यवस्था में हमें मिली।

भोजपुर नारी शक्ति समिति प्रभात फेरी मंडल द्वारा कावड़ यात्रा निकाली, किया शिव का अभिषेक

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- सावन माह का प्रथम सोमवार को भोजपुर नारी शक्ति समिति प्रभात फेरी मंडल के सैकड़ो सदस्यों ने गुप्त गंगा (भीमवाटिका)से पवित्र जल लेकर कावड़ यात्रा निकाली 6 किलोमीटर चलकर कावड़ यात्रा औबेदुल्लागंज में पहुंचने पर नगर वासियों ने फूल बरसा कावड़ यात्रा का स्वागत किया कावड़ यात्रा सीताराम चौराहे पर पहुंचने पर राजेंद्र साहू (गुड्डू भैया), वचन लोधी, धर्मेंद्र चौरसिया परसोत्तम शर्मा, मनोज चौरसिया, कमलेश मेघानी, राजेश सैनी, अशोक शर्मा, इंग्लिश यादव, संतोष प्रजापति, नीरज प्रजापति, राजा पजापति आदि लोगों ने फूल बरसा कर हर हर महादेव बम बम भोले के जय जयकारें के साथ कावड़ यात्रा का स्वागत किया इसके बाद कावड़ यात्रा अर्जुन नगर शिव मंदिर पहुंची सभी भक्तों ने बड़े ही भक्ति भाव से शिवजी का अभिषेक किया इस अवसर पर समिति अध्यक्ष आरती यादव, अनीता पंडित, सुनीता सैनी राजबाई सैनी, पुष्पा चौरसिया, मल्होत्रा यादव, रुक्मणी यादव, पूजा लोधी, प्रियंका गुप्ता, राधा कुशवाहा, कुसुम शर्मा आदि नारी शक्ति कावड़ यात्रा में मौजूद थी द्य

अंतर्राज्यीय नकबजन गिरोह सिवनी पुलिस की गिरफ्त में

ग्वालियर से आकर रैकी कर करते चोरी डालते थे डांका, हर प्रकार के ताले तोड़ने में हैं महिर, एक नाबालिग भी

सिवनी- पुलिस अधीक्षक सिवनी सुनील मेहता द्वारा जिले में हो रही चोरी, नकबजनी और लूट की घटनाओं पर रोक लगाने हेतु सभी थाना प्रभारियों को आदेशित किया गया था। इसी कड़ी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिवनी के मार्गदर्शन में और अनुविभागीय अधिकारी लखनादौन के नेतृत्व में सिवनी पुलिस ने अंतर्राज्यीय नकबजन गिरोह को पकड़ने में सफलता प्राप्त की है।

पुलिस थाना धूमा – धूमा में दिनांक 18 एवं 19.06.25 की दरम्यानी रात को धूमा मे अज्ञात आरोपियों के द्वारा संजय ज्वेलर्स धूमा मे सोने चांदी के जेवर, नगदी एवं अन्य घर से एक मो.सा. चोरी कर भाग गये थे। जिस पर दिनांक 19.06.25 को फरियादी संजय चौकसे पिता जगदीश चौकसे उम्र 45 साल निवासी मेन रोड़ धूमा जिला सिवनी और भगवान दास ककोड़िया पिता संतलाल ककोड़िया उम्र 46 साल निवासी टंकी मोहल्ला धूमा जिला सिवनी की रिपोर्ट पर पृथक पृथक अपराध पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया और अज्ञात आरोपीयो की तलाश पतासाजी शुरू की गई।

पुलिस थाना छपारा–छपारा में दिनांक 23 एवं 24.06.25 की दरम्यानी रात को छपारा मे भी अज्ञात आरोपियों के द्वारा ज्वेलरी शॉप एवं सूने घर मे ताला तोडकर सोना चांदी के जेवर चोरी कर भाग गये थे जिस पर पुलिस थाना छपारा मे फरियादी भगवानदास सोनी पिता रुपचंद सोनी उम्र 69 साल निवासी छपारा और फरियादी टेकचंद भारती पिता फंदीलाल भारती उम्र 59 साल निवासी वार्ड नं. 10 विवेकानंद वार्ड छपारा थाना छपारा की रिपोर्ट पर पृथक पृथक अपराध पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया और अज्ञात आरोपीयो की तलाश पतासाजी शुरू की गई।उपरोक्त घटित गंभीर घटनाओं की पतारसी हेतु पुलिस अधीक्षक सिवनी सुनील मेहता द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को आदेशित किया गया था। पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार अति. पुलिस अधीक्षक के निर्देशन मे एस.डी.ओ.पी लखनादौन के नेतृत्व मे जिला स्तरीय पुलिस टीम गठित कर मामले की जांच शुरू की गई। जांच दौरान पुलिस टीम के द्वारा तकनीकी साक्ष्य, भौतिक साक्ष्य एवं मुखबिर के माध्यम से अज्ञात आरोपीयो के सबंध मे साक्ष्य एकत्रित किये गये थे। अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध प्राप्त साक्ष्य के आधार पर पुलिस टीम को जिला ग्वालियर रवाना किया गया। पुलिस टीम के द्वारा ग्वालियर मे स्थानीय पुलिस की मदद एवं तकनीकी आधार पर 03 आरोपीयों एवं 01 विधि विरूध्द बालक को गिरफ्तार कर पुछताछ की गई ।

सूचना

चर्म विकास महिला सहकारी संस्था मर्यादित विदिशा, जिला विदिशा की सदस्य सूची का प्रकाशन सोसाइटी कार्यालय के नोटिस बोर्ड, उप पंजीयक सहकारी संस्था विदिशा कार्यालय, संबंधित विकासखण्ड विदिशा कार्यालय, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित विदिशा के सूचना पटल पर दिनांक 14.07.2025 को किया गया है। यदि किसी भी सदस्य को इस पर कोई दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो दिनांक 14.07.2025 से दिनांक 22.07.2025 तक सोसाइटी कार्यालय उप आयुक्त सहकारिता जिला विदिशा में मेरे समक्ष सप्रमाण लिखित में प्रस्तुत कर सकते हैं। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निराकरण सोसाइटी कार्यालय में दिनांक 22.07.2025 को दोपहर 2.00 बजे से किया जावेगा।

आपत्तियों के निराकरण के दिन सदस्य उपस्थिति हो सकते हैं। आपत्तियों संबंध में पृथक से व्यक्तिशः सूचना नहीं दी जावेगी। यदि किसी सदस्य की कोई आपत्ति है और वह उपस्थित नहीं होता है तो भी उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर आपत्तियों का निराकरण किया जावेगा।

(मनोहर रजक)
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी वर्म. विकास महिला सहकारी संस्था मर्यादित विदिशा जिला विदिशा

सीएम हेल्पलाइन-प्रथम अपील पर सहायक आयुक्त अव्वल दर्जे पर

जिले में सहायक आयुक्त शिकवा-शिकायत मामले में प्रथम श्रेणी स्तर पर

मण्डला/अजीत पटेल--जिले में शासन-प्रशासन की नियमावली विरूद्ध कार्य करने से कोई चूक नहीं रहा है जिससे कार्यालय सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग का नाम प्रथम श्रेणी में है। शासन द्वारा आये दिन विडियो कांफ्रेंस एवं समय सीमा की बैठक में विभागीय अधिकारियों को विशेष रूप से दिशा-निर्देश दिए जाते हैं कि सीएम हेल्पलाइन तथा सूचना का अधिकार अधिनियम अंतर्गत समय सीमा में जानकारी प्रदान किया जावे एवं आवेदकों के समस्या का निराकरण किया जावे,परन्तु जिम्मेदारों द्वारा आला-अधिकारियों के निर्देशों को एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकालने के काम ज्यादा व्यस्त हैं।

कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी जनजातीय कार्य विभाग में सीएम हेल्पलाइन द्वारा किए गए शिकायत तथा सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 अंतर्गत मांगी गई जानकारी कभी भी समय सीमा और संतुष्टिजनक नहीं दी गई, मामले को लेकर प्रथम अपीलीय अधिकारी अपर कलेक्टर मण्डला से भी इस विषय पर चर्चा की गई, परन्तु अपर कलेक्टर ने जवाब दिया कि यदि उनके द्वारा प्रथम अपील में जानकारी नहीं दी जाती तो आप द्वितीय अपीलीय अधिकारी को आवेदन देकर जानकारी ले सकते हैं, वहीं सीएम हेल्पलाइन में सहायक आयुक्त की शिकवा-शिकायत सिविल जिले में सबसे उच्च श्रेणी पर है बावजूद इसके जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई नहीं किया जाना टीएल तथा विडियो कांफ्रेंस में दी गई दिशा-निर्देश एक फार्मेलिटी दर्शाती है।

सहायक आयुक्त वंदना गुप्ता भी मामले पर नहीं दे रही जवाबः कार्यालय सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग मण्डला में सूचना का अधिकार तथा सीएम हेल्पलाइन पर अनेकों शिकायत तथा जानकारी मांगी है,परन्तु जिम्मेदारों की लापरवाही स्पष्ट दिखाई दे रही है जहां स्वयं सहायक आयुक्त वंदना गुप्ता द्वारा उक्त मामले पर आवेदकों को संतोषजनक जवाब एवं उनकी समस्या का निराकरण नहीं कर विभाग की छवि धुमिल कर रही है।इस मामले पर जब सहायक आयुक्त वंदना गुप्ता से समय सीमा में जानकारी प्रदाय नहीं किए जाने का कारण पूछा गया तो उन्होंने जवाब दिया कि कार्य की व्यस्तता होने के कारण जवाब समय पर नहीं दिया गया है, वहीं दूसरी ओर सूचना का अधिकार का प्रभार एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को सौंपा गया है जिनके द्वारा उक्त मामले पर जवाब दिया गया कि मांगी गई जानकारी को लेकर जब तक अधिकारी आदेश नहीं करेंगे हम जानकारी नहीं देंगे।

जहां एक तरफ कार्यालय सहायक आयुक्त विभाग भ्रष्टाचार और लापरवाहियों को लेकर पहले से सुर्खियों में बना हुआ है वहीं दूसरी ओर जिम्मेदारों द्वारा अपनी करतूतों को छुपाने तथा भ्रष्टाचारियों को संरक्षण प्रदान करने से यह स्पष्ट होता है कि मामले की जड़ अधिकारियों-कर्मचारियों तक फैली हुई है।

शासकीय राजस्व की पहुंचाई जा रही छतिः कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग में लगाए गए अधिकांश जानकारी प्रथम अपीलीय अधिकारी तक पहुंच जाती हैं, नतीजा आवेदकों को निशुल्क जानकारी प्रदाय किया जाना, जबकि विभाग में बैठे लोक सूचना अधिकारी की यह प्रथम जिम्मेदारी है कि उनके कार्यालय में लगाए गए आरटीआई प्रकरण का निराकरण समय सीमा में किया जावे ताकि शासन-प्रशासन को जानकारी के एवज में जमा की जाने वाली राजस्व की छति नहीं होने पाए, परन्तु विभाग के लोक सूचना अधिकारी की लापरवाही तथा भ्रष्टाचारियों को प्रदाय की जाने वाली संरक्षण का नतीजा है कि जहां एक तरफ शासकीय राजस्व की छति हो रही है वहीं दूसरी ओर गैर जिम्मेदाराना कर्मचारियों को उक्त शाखा की जिम्मेदारी सौंपने से विभाग की छवि धुमिल हो रही है।

सहायक आयुक्त वंदना गुप्ता के कार्यकाल में जिले की आदिवासी जनजातीय कार्य विभाग का स्तर ए-4 से ए-2 तक

पहुंच गया है, बावजूद इसके सहायक आयुक्त की कुर्सी पर बैठी श्रीमती गुप्ता अभी तक अपनी चुप्पी साधे हुए हैं, विगत दिनों पूर्व एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सेमरखापा अचली में प्रभारी प्राचार्य जी.एल.कांवडे का मामला सामने आया था जिसमें एक वर्ष से अधिक समय तक ज्वाइन किए जाने के बावजूद भी प्राचार्य श्रीमती रीना सिंग को प्रभार नहीं सौंपा गया था, मामले को लेकर जब आयुक्त आदिवासी जनजातीय कार्य विभाग भोपाल तथा संभागीय आयुक्त आदिवासी जनजातीय कार्य विभाग जबलपुर को प्रेषित किया गया बावजूद इसके सहायक आयुक्त द्वारा भ्रष्टाचारी के सिर से संरक्षण की चादर हटाई गई एवं 30/06/2025 को जी.एल.कांबडे. को समस्त प्रभार मुक्त कर 01/07/2025 को श्रीमती रीना सिंग को प्रभार सौंपा गया।

इनका कहना हैं-

हमारे यहां बहुत से आरटीआई एवं सीएम हेल्पलाइन शिकायत होने के कारण समय पर जानकारी एवं निराकरण नहीं कर पाए।

श्रीमती वंदना गुप्ता, सहायक आयुक्त मण्डला।

हमारे कार्यालय में आए दिन आरटीआई प्रकरण दर्ज होते हैं, वहीं अधिकारी भी मामले के निराकरण को लेकर गंभीर नहीं है, इसलिए समय सीमा में जानकारी नहीं दी जा रही है।

श्री अजय मिश्रा, आरटीआई प्रभारी

सिदधीकंज ग्राम वन समिति का वन एवं औषधीय पौधों पर जागरूकता एवम बीज रोपन कार्यक्रम आयोजित

आष्टा। सिदधीकंज ग्राम वन समिति का वन एवं औषधीय पौधों पर जागरूकता एवम बीज रोपन कार्यक्रम आयोजित किया। वन और औषधीय पौधों का संरक्षण न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत आवश्यक है। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाकर हम प्रकृति के साथ संतुलित जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। साथ ही विलुपत हो रही प्रजातियो को पुन अस्तित्व मे लाकर स्थनिय लोगो को रोज्गार भी प्रदाय किया जा सकता है इसी उ?देश्य से सिद्धीकंज ग्राम वन समिति ?द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में वन संरक्षण और औषधीय पौधो के महत्व पर जोर दिया गया। यह आयोजन वन विभाग और पुष्प इकोलॉजिकल सॉल्यूशंस एलएलपी के सहयोग से कूप संख्या 119 में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अश्वगंधा, शतावरी, चिरायता, किनोवा, चिया और ककोड़ा जैसे विलुप्त हो रहे औषधीय पौधों के बीजों का रोपण किया गया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, इटारसी

क्रमांक / लोक कर्म शाखा/नपाई/134 इटारसी दिनांक 09.07.2025

द्वितीय ई निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाइट पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर पोर्टल क्रं.	कार्य का नाम	कार्य की लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_435834_1	वार्ड कमांक 12 न्यास कॉलोनी में आंगनवाडी केन्द्र कमांक 24 का निर्माण कार्य। (द्वितीय निविदा)	694871/-	2000/- 6950/-	15.07.2025
2	2025_UAD_435851_1	वार्ड क्रमांक 11 रैदास नगर में आंगनवाडी केन्द्र कमांक 22 का निर्माण कार्य। (द्वितीय निविदा)	694982/-	2000/- 6950/-	15.07.2025

नोट निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन https://www.mptenders.gov.in की बेवसाईट पर ही किया जावेगा। प्रकाशन नहीं किया जावेगा। का प्रकाशन ऑनलाईन पृथक से समाचार पत्र में

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
तगरपालिका परिषद इटारसी

शिवराज सिंह चौहान
SHIVRAJ SINGH CHOUHAN

कृषि एवं किसान कल्याण और
ग्रामीण विकास मंत्री
भारत सरकार
कृषि भवन, नई दिल्ली
Minister of Agriculture & Farmers
Welfare and Rural Development
Government Of India
Krishi Bhawan, New Delhi

पत्र क्र. 318/2025
दिनांक – 08/07/2025

|| संदेश ||

मैं, **दैनिक सांध्य प्रकाश** के 55वें स्थापना दिवस पर सम्पादकीय मंडल, समस्त पत्रकारगण एवं पाठकों को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

यह अखबार न केवल समाचारों का माध्यम रहा है, बल्कि यह जनता की आवाज़, जनभावनाओं का प्रतिबिंब और लोकतंत्र की सशक्त प्रहरी की भूमिका निभाता रहा है। बीते पाँच दशकों से अधिक समय से दैनिक सांध्य प्रकाश ने अपने निर्भीक, निष्पक्ष एवं जनोन्मुखी पत्रकारिता के माध्यम से समाज में विश्वास और जागरूकता का दीप प्रज्वलित किया है।

55 वर्षों की इस गौरवशाली यात्रा पर मैं पुनः बधाई देते हुए आशा करता हूँ कि, यह संस्थान इसी तरह राष्ट्र निर्माण की दिशा में अपनी सार्थक भूमिका निभाता रहेगा।

आपका
(शिवराज सिंह चौहान)

कृष्णा गौर
राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण,
विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु
कल्याण विभाग,
मध्यप्रदेश शासन

निवास : बी–6, स्वामी दयानन्द नगर, 74 बंगला, भोपाल (म.प्र.) 462003
मंत्रालय : ई–106, वीबी–3, प्रथम तल, मंत्रालय, भोपाल
दूरभाष : 0755–27708000 (मंत्रालय) 2708580 (नि.) 0755–2441578
मोबाईल : 9893121578, 8959999338
ई–मेल : krishnagaur2015@gmail.com

क्रमांक 1503
दिनांक 8/7/25

संदेश

बड़े हर्ष का विषय है कि **"दैनिक सांध्य प्रकाश"** मध्य प्रदेश भोपाल के 55 वें वर्ष में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में विशेषांक का प्रकाशन दिनांक 15 जुलाई 2025 को किया जा रहा है। दैनिक सांध्य प्रकाश शासकीय, राजनैतिक सामाजिक एवं सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनओं को प्रमुखता से प्रकाशित करता आ रहा है।

समाचार पत्र और लोकतंत्र का आपस में गहरा सम्बन्ध है। लोकतंत्र में समचार पत्र जनमानस का सच्चा मित्र होता हैं तथा जनता को सचेत और जागरूक बनाने में सहयोग प्रदान करता हैं। विगत वर्षो 54 मे **"दैनिक सांध्य प्रकाश"** समचार पत्र ने के पाठको के बीच अपनी एक अलग पहचान बनाई है। **"दैनिक सांध्य प्रकाश"** समाचार पत्र जनचेतना हेतु **समाजिक सांस्कृतिक एवं शिक्षा, के प्रगति पर** एक नया सोपान स्थापित करे इसी कामना के साथ मेरी ओर से बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं।

(कृष्णा गौर)

आशीष अग्रवाल
प्रदेश मीडिया प्रभारी

भारतीय जनता पार्टी
BHARTIYA JANTA PARTY
MADHYA PRADESH

प.क्र. :SMIBJPMP/37/2025
दिनांक: 07/07/2025

शुभकामना संदेश

आदरणीय बंधुवर,

दैनिक सांध्य प्रकाश के 55वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई।

पिछले पाँच दशकों से अधिक समय से दैनिक सांध्य प्रकाश ने निडर, निष्पक्ष एवं जनहितकारी पत्रकारिता के माध्यम से प्रदेश में एक विश्वसनीय स्थान बनाया है। शासकीय नीतियों, जनकल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक सरोकारों एवं आमजन की आवाज़ को प्रमुखता से प्रकाशित कर आपने लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त किया है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाएँ समाज के हर वर्ग तक समृद्धि और सशक्तिकरण का संदेश पहुँचा रही हैं। इन नीतियों के माध्यम से प्रदेशवासियों की आशाओं और अपेक्षाओं को साकार करने का लक्ष्य तेजी से पूर्ण हो रहा है।

'सरकार की योजनाएँ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँचे' इस भावना के साथ यह समाचार-पत्र निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है, वह अत्यंत प्रशंसनीय है।

आगामी वर्षों में दैनिक सांध्य प्रकाश और अधिक प्रभावी, लोकहितकारी तथा जन-जन की आवाज़ बनकर आगे बढ़े।

शुभकामनाओं सहित,

आपका
आशीष उषा अग्रवाल

श्रीमती मालती राय
महापौर
नगर पालिक निगम, भोपाल

कार्या. फोन : 0755–2701086, 2701448
नि. फोन : 0755–2701777, 2701888
मोबाइल : 9893383963, 9425031063
E-mail : mayorbhopal@yahoo.co.in
कार्यालय : कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल होशंगाबाद रोड, भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक ... /म.ग. कार्या./21
दिनांक 08/07/2025

:: संदेश ::

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि दैनिक सांध्य प्रकाश के सफलतम 54 वर्ष पूर्ण होने तथा 15 जुलाई 2025 के उपरांत 55वें वर्ष में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में बहुरंगीय विशेषांक का प्रकाशन करने जा रहा है। उक्त संस्था द्वारा शासकीय, राजनैतिक, सामाजिक एवं सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रमुखता से प्रकाशन किये जाने पर निश्चित रूप से पाठक लाभांवित होंगे।

दैनिक सांध्य प्रकाश के 55 वें स्थापना दिवस पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

(मालती राय)

जय जवान जय किसान जय विज्ञान जय अनुसंधान

रामेश्वर शर्मा
• विधायक, हुजूर विधानसभा-155
• अध्यक्ष, "कर्मश्री"

मोबा : 9425004111
फोन : 0755- 4244566
4281317
2570182

10–07–2025

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि दैनिक सांध्य प्रकाश समाचार पत्र दिनांक 15 जुलाई 2025 को 55वें वर्ष में प्रवेश करने पर स्थापना दिवस कार्यक्रम मनाया जा रहा है। उक्त अखबार 54 वर्षो से राजधानी भोपाल से प्रकाशित किया जा रहा है तथा मध्यप्रदेश का सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला संध्याकालीन अखबार है। जिसमें राजनैतिक, सामाजिक एवं शासन की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रकाशित किया जाता है। निश्चित ही अखबार पढ़कर लोग जागरूक हो रहे है, जो कि समाज हित में कारगर सिद्ध हो रहा है।

मैं दैनिक सांध्य प्रकाश अखबार के 55वें स्थापना दिवस कार्यक्रम के सफल आयोजन की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

आपका
(रामेश्वर शर्मा)
विधायक

नरेन्द्र सिंह तोमर
NARENDRA SINGH TOMAR

अध्यक्ष
मध्यप्रदेश विधानसभा
SPEAKER
M.P. LEGISLATIVE ASSEMBLY
जावक क्र. 1637/अ.वि.स./25
दिनांक 10/07/2025

संदेश

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि दैनिक सांध्य प्रकाश सांध्यकालीन समाचार पत्र द्वारा अपने प्रकाशन के 55 वें स्थापना दिवस के अवसर पर बहुरंगीय विशेषांक का प्रकाश किया जा रहा है।

मुझे विश्वास है कि पूर्व वर्षो की भांति भविष्य में भी यह समाचार पत्र पाठकों में लोकप्रियता हासिल करने में सफलता प्राप्त करेगा।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

(नरेन्द्र सिंह तोमर)

भगवानदास सबनानी
विधायक
152 दक्षिण पश्चिम विधानसभा भोपाल म.प्र.
प्रदेश महामंत्री एवं कार्यालय प्रभारी भाजपा म.प्र.

कार्यालय / निवास
ई-45/45 बंगले
बाणगंगा चौराहा, भोपाल (म.प्र.) 462003
मो : 9425014600, 7771014600
ई-मेल : bhagwan.sabnani@mpvidhansabha.nic.in

क्र.152/25/567
दिनांक : 7/7/25

शुभकामना संदेश

प्रसन्नता का विषय है कि **"दैनिक सांध्य प्रकाश अखबार"** अपने 55वें वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है।

उक्त अखबार विगत् 54 वर्षों से निरन्तर भोपाल से प्रकाशित होता आ रहा है, जिसमें शासकीय, राजनैतिक, सामाजिक एवं सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाता है।

आशा है कि **"दैनिक सांध्य प्रकाश"** अखबार अपने 55वें वर्ष में भी समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होगा। मैं इस अवसर पर समस्त **"दैनिक सांध्य प्रकाश"** परिवार को शुभकामनाऐं प्रेषित करता हूँ।

हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

आपका
(भगवानदास सबनानी)
विधायक

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ भव्य समापन

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आज भव्य समापन हुआ। कार्यशाला का केंद्रीय विषय ÷चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास÷ था, जिसका उद्देश्य पंचकोशीय शिक्षा पद्धति के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समाज में मूल्यों की पुनर्स्थापना और व्यक्तित्व के समग्र विकास पर मंथन करना था। इस अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. ओम शर्मा जी, राष्ट्रीय संयोजक आत्मनिर्भर भारत, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रो. आर. पी. दुबे, कुलगुरु आरएनटीयू उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री संतोष चौबे, कुलाधिपति, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने की। इस अवसर पर प्रसिद्ध शिक्षाविद प्रो. अमिताभ सक्सेना, डॉ. संगीता जौहरी, कुलसचिव आरएनटीयू, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. पूजा चतुर्वेदी विशेषरुप से उपस्थित थे।

इस अवसर पर डॉ. ओम शर्मा जी ने कार्यशाला को एक बौद्धिक यज्ञ की संज्ञा दी और कहा कि इस प्रकार के प्रयास आज की शिक्षा प्रणाली को आत्मा से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा ÷इस कार्यशाला में जो कुछ सीखा गया है, वह केवल वैचारिक अभ्यास तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका वास्तविक उपयोग तभी संभव है जब इसे कक्षा-कक्षों में लाया जाए। यदि एक शिक्षक भी यहाँ से प्रेरणा लेकर एक विद्यार्थी का जीवन संवार सके तो यही सच्चा प्रतिफल है। यह विश्वविद्यालय केवल एक शैक्षणिक संस्था नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का केंद्र बनता जा रहा है। भाषा, संस्कृति, मूल्य, कौशल एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के जिस संगम की आज आवश्यकता है, वह यहाँ साकार रूप ले रहा है। देश तभी आत्मनिर्भर बनेगा जब समाज में

समरसता, स्वच्छता, आत्मानुशासन और पर्यावरणीय चेतना का संचार होगा। कचरे के निस्तारण से लेकर मन के विकारों के शोधन तक, हमें हर स्तर पर %बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार% अपनाना होगा। शिक्षा का वास्तविक लक्ष्य यही है, जीवन को विवेकपूर्ण बनाना।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि आज वैश्विक पटल पर जब भारत की ओर अनेकानेक आशाएँ टिकी हैं, तब हमारी ÷पारंपरिक शिक्षा प्रणाली को आधुनिक युग से जोड़ना÷ और उसमें नैतिकता व आत्मिक मूल्यों का समावेश करना, अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने आह्वान किया कि इस कार्यशाला में उपस्थित सभी शिक्षक और शिक्षार्थी ÷भारत के निर्माणकर्ता÷ की भूमिका को समझें और शिक्षण को समाज परिवर्तन का माध्यम बनाएं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री संतोष चौबे जी ने कहा कि उन्होंने अपने वक्तव्य में इस कार्यशाला को ÷नव दृष्टिकोण का बीजारोपण÷ बताते हुए कहा यह केवल एक अकादमिक आयोजन नहीं रहा, यह एक वैचारिक आंदोलन है। आज के समय में जब शिक्षा उपभोग और प्रतिस्पर्धा का माध्यम बनती जा रही है, ऐसे में पंचकोशीय शिक्षा दृष्टि हमें हमारी जड़ों की ओर लौटने का मार्ग दिखाती है। पश्चिमी दृष्टिकोण जहाँ भौतिकता और लाभ पर केंद्रित है, वहीं भारतीय दृष्टिकोण व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाता है। आत्मा से मन, और मन से व्यवहार तक की यात्रा यही पंचकोशीय पद्धति की विशेषता है।

उन्होंने यह भी कहा आज जब पूरी दुनिया महामारी, पर्यावरण संकट, मानसिक असंतुलन और सामाजिक विभाजन से जूझ रही है, तब समाधान कहीं बाहर नहीं, बल्कि हमारी अपनी परंपरा में निहित है। कोरोना काल ने एक बार फिर 'भारतीय परिवार व्यवस्था', 'सहज जीवनशैली' और 'सामूहिक उत्तरदायित्व' की शक्ति को विश्व के समक्ष प्रमाणित किया है। उन्होंने यह भी बताया कि उपस्थित जनों को यह भी याद दिलाया कि शिक्षा केवल अंकपत्र या डिग्री का नाम नहीं है, यह जीवन जीने की दृष्टि है। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला ने ÷विश्व को देखने की नई दृष्टि÷ दी है, जिसमें प्रकृति, समाज, राष्ट्र और व्यक्ति सभी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। अंत में कहा कि यदि हमें धरती और मनुष्य दोनों को बचाना है, तो हमें भारतीय शिक्षा के उस शाश्वत दृष्टिकोण की ओर लौटना होगा, जो केवल ज्ञान नहीं देता, बल्कि करुणा, विवेक और उत्तरदायित्व का बोध कराता है।

इस समापन सत्र में प्रो. आर. पी. दुबे (कुलगुरु) रबींद्रनाथ टोगोर विश्वविद्यालय, डॉ. अजय तिवारी, क्षेत्र सह संयोजक न्यास, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, सागर एवं डॉ. दिनेश दवे, मालवा प्रांत संयोजक भी मंचासीन रहे।

मनावर के किसान कलेक्टर से मिलने धार गए, वे फील्ड में चले गए!

मनावर से स्वप्निल शर्मा की रिपोर्ट

धार। ~ किसानों की खाद की समस्याओं को लेकर विधायक डॉ हीरालाल अलावा के नेतृत्व में मनावर विधानसभा क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों ने धार कलेक्टर कार्यालय के प्रांगण में सोमवार को धरना प्रदर्शन किया। धरने के बाद कलेक्टर से चर्चा कर उन्हें ज्ञापन सौपा जाना था ,लेकिन जन समस्याओं पर चर्चा करने के बजाय कलेक्टर फील्ड में रवाना हो गए। इस पर डॉक्टर अलावा ने कहा कि मेरी कोई निजी मांग नहीं है, किसानों की मांग है।

सोसायटी में किसानों खाद नहीं मिल रहा, जबकि व्यापारियों के गोदाम भरे हैं। व्यापारियों को यूरिया, डीएपी आदि खाद कहा से मिल रहा है।जो खाद सोसाइटी में 266 रुपए में मिलना चाहिए, वहीं खाद कालाबाजारी में 450 रूपए में बिक रहा है। आज जब किसान और ग्रामीण अपनी समस्याओं को लेकर इतनी दूर धार आए हैं तो जनता की समस्या सुनने के लिए कलेक्टर के पास समय नहीं है।

विधायक डॉ अलावा ने कहा कि क्षेत्र में किसानों को खाद नहीं मिल रहा है और व्यापारी खुलेआम ब्लैक में बेच रहे हैं। क्या जिला प्रशासन के यह संज्ञान में नहीं है। किसान लगातार सोसायटी में खाद उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं लेकिन किसानों को खाद नहीं मिल रहा है। जिला प्रशासन कालाबाजारी करने वाले व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है। उन्होंने बताया कि सोसायटी में खाद नहीं मिल रहा है, क्या इसकी खबर सरकार को नहीं है। किसानों को खाद के लिए आज दर-दर भटकना पड़ रहा है। किसानों की बात जिला प्रशासन क्यों नहीं सुन रहा है। इसलिए किसानों को आज धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होना पड़ा।

विधायक डॉ अलावा ने ज्ञापन देने के लिए अन्य अधिकारियों से कलेक्टर के संबंध में पूछा तो उन्होंने बताया कि वह जरूरी काम से फील्ड में गए है। इस पर विधायक सहित किसान भी आक्रोश में आ गए। क्यों कि धरना प्रदर्शन और ज्ञापन के संबंध में विधायक डॉ अलावा ने कलेक्टर को विधिवत पत्र द्वारा सूचना दे दी थी। कलेक्टर के नहीं मिलने पर प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी शुरू कर दी।

प्रदर्शनकारी लगातार नारे लगा रहे थे कि खाद की कालाबाजारी बंद करो, किसानों को न्याय दो, काला बाजारियों के खिलाफ कार्रवाई करो, जिला प्रशासन की तानाशाही नहीं चलेगी, सोसायटियों से किसानों को खाद उपलब्ध कराओ आदि। बाद में विधायक के नेतृत्व में किसानों ने जिला पंचायत सीईओ को अपनी समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कमल किशोर पाटीदार, पूर्व अध्यक्ष मुजीब कुरैशी तथा मनावर विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता और किसान भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

'निर्मल नर्मदा' के लिए 2459 करोड़ की योजना, केंद्र से मदद ली जाएगी

इंदौर। प्रदेश की जीवन रेखा नर्मदा नदी को स्वच्छ और संरक्षित बनाए रखने के लिए नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सोमवार को मंत्रालय में 'निर्मल नर्मदा योजना' की समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि नर्मदा को निर्मल बनाए रखने के लिए राज्य सरकार केंद्र सरकार से हर संभव मदद लेगी। योजना के पहले चरण में 2459 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बैठक में अर्बन डेवलपमेंट कंपनी सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री विजयवर्गीय ने निर्देश दिए कि नदी किनारे बसे शहरों में सीवरेज प्लांट का निर्माण समय सीमा में पूर्ण हो और भौतिक सर्वे कर योजना के क्रियान्वयन को गति दी जाए। औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने वाले दूषित जल को नदी में मिलने से रोकने, ट्रीटमेंट की व्यवस्था करने और धार्मिक स्थलों के आसपास पर्यटन की दृष्टि से विकास की संभावनाएं तलाशने पर बल दिया गया। नगरीय विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि वर्ष 2025 को लक्ष्य मानकर योजना तैयार की गई है। 1077 किमी लंबी नर्मदा के किनारे 54 शहरी और 818 ग्रामीण क्षेत्र आते हैं, जिन्हें योजना में शामिल किया गया है। इसके तहत वृहद स्तर पर पौधारोपण, सीवरेज ट्रीटमेंट और पुन~उपयोग प्रणाली स्थापित कर नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया गया है।

मटकुली रोड पर हो रहा अवैध मजार का निर्माण

छिंदवाड़ा। पिपरिया रोड पर मटकुली रोड के 65 किलो मीटर एवं 91 किलोमीटर पर अवैध मजारों बनाई गई है, जो अतिक्रमण की श्रेणी में आता है एक जागरूक नागरिक ने कलेक्टर को कार्यवाही करने की मांग की है। वन क्षेत्रों में अतिक्रमण रोकने का कार्य वन विभाग का हे, वन विभाग के कर्मचारी मजारों को बनते देश रहे है किन्तु उसे रोक नही रहे है, जबकि उनकी जिम्मेदारी है कि वन क्षेत्र में अतिक्रमण रोके। मजार के माध्यम से अतिक्रमण का प्रयास कानूनी गलत है।

शनिचरा बाजार क्षेत्र में नहीं आएगा पीने का पानी....

छिंदवाड़ा। नगर निगम आयुक्त चंद्रप्रकाश राय के निर्देश पर दिनांक 16 जुलाई को ग्रेवटी मुख्य लाइन का संधारण किया जाना प्रस्तावित है। इसके साथ ही 11 एमएलडी डब्ल्यूटीपी प्लांट में भी आवश्यक कार्य किया जाना है। जिससे नगर निगम के सब्जी मंडी क्षेत्र, चौकसे कॉलोनी, पंचशील कॉलोनी, देवरे कॉलोनी, सिविल लाइन क्षेत्र, शक्ति नगर गीता नगर, इमलीखेड़ा क्षेत्र, शनिचरा पानी टंकी से जुड़े समस्त क्षेत्र, चर्च कंपाउंड, चित्रकूट कॉम्प्लेक्स, सुभाष कॉलोनी सहित वार्ड क्रमांक 33 के अन्य क्षेत्र, शांतिपुरा एवं काबरा कॉलोनी में 16 जुलाई को जल आपूर्ति प्रभावित होगी।

गुरैया मोक्षधाम में बढ़ई समाज ने किया पौधारोपण

छिंदवाड़ा। श्री विश्वकर्मा बढई समाज संगठन छिंदवाड़ा द्वारा सामाजिक के साथ-साथ वर्ष भर ऐसे

आयोजन किए जाते हैं आज एक पेड़ मां के नाम के तहत गुरैया के मोक्षधाम में औषधि एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया इस अवसर पर बढ्ई समाज के जिला अध्यक्ष लेखराम विश्वकर्मा ने कहा कि आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संकट के दौर से गुजर रही है, मध्यप्रदेश शासन की एक पेड़ मां के नाम योजना एक प्रेरणा बनकर उभरी है। यह संदेश देती है कि जब शासन और समाज एक साथ चलें, जब आस्था और विज्ञान का संगम हो, तो असंभव भी संभव हो जाता है। सचिव मुरलीधर विश्वकर्मा ने कहा कि समाज के सभी साथियों ने आज मोक्षधाम परिसर में पौधा लगाकर उसे संरक्षित करने का संकल्प भी लिया है शरद राजोरिया एवं हरिराम मालवीया ने कहा कि बढ़ई समाज संगठन निरंतर इस तरह के जनहितैषी,एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्य करता है।

मछलीपालन व मत्स्याखेट के लिये 10 वर्षीय पट्टे के लिये 25 तक आवेदन आमंत्रित

छिन्दवाड़ा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत छिंदवाड़ा श्रीमती स्वातिसिंह बघेल ने बताया कि जनपद पंचायत छिंदवाड़ा के पुलपुलडोह सिंचाई जलाशय जिसका औसत जलग्रहण क्षेत्र 28.550 हेक्टेयर है, में मछलीपालन व मत्स्याखेट के लिये 10 वर्षीय पट्टे पर शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकता के अनुसार पंजीकृत समितियों को दिया जाना है। इसके लिये कार्यालय में 25 जुलाई 2025 तक कार्यालयीन दिवस एवं समय में आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। आवेदन के साथ समिति का प्रस्ताव, पंजीय सदस्यता सूची, सभी सदस्यों की जाति एवं निवास संबंधी जानकारी प्रस्तुत करनी होगी।

श्रावण मास का प्रथम सोमवार शिव रुद्राभिषेक किया

छिंदवाड़ा। श्रावण मास का प्रथम सोमवार को महावीर शिव मंदिर भारत मंगल भवन के सामने सिविल

लाइन में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ शिव रुद्राभिषेक माता बहनों एवं धर्म प्रेमी ने किया इसी कड़ी में आने वाले रविवार को दिनांक 20 तारीख को कावड़ यात्रा भव्य कावड़ यात्रा रहेगी जिसमें सभी धर्म प्रेमियों को इस कावड़ यात्रा को सफल बनाने के लिए आग्रह किया गया अधिक से अधिक संख्या में कावड़ यात्रा में सम्मिलित होकर भगवान महाकाल जी का आशीर्वाद ग्रहण करें इस कार्यक्रम में पंडित आशीष अवस्थी द्वारा प्रतिदिन अभिषेक कराया जा रहा है कार्यक्रम संयोजक मनीष श्रीवास्तव एवं एवं मंदिर की से समिति से पूजा श्रीवास्तव, समिति के सभी सदस्य उपस्थित होकर पूर्ण लाभ ले रहे हैं

विधायक कमलेश शाह के नेतृत्व में धार्मिक,सामाजिक सहयोग जारी

अमरवाडा। पवित्र सावन माह में भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधि सामाजिक सरोकार के साथ धार्मिक संगठनो को सहयोग मे लगातार जुटे हैं। प्रत्येक धर्म के धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होकर संगठनो का उत्साहवर्धन जारी है। विधायक राजा कमलेश शाह के नेतृत्व में अमरवाड़ा नगरपालिका क्षेत्र के ग्यारह् भजन मंडलों को भजन सामग्री का वितरण विगत दिवस नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी द्वारा किया गया। नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति तिवारी द्वारा वार्ड पार्षदों के साथ मंदिरों मे जाकर जस, भजन और अखण्ड रामायण पाठ हेतु-राधाकृष्ण महिला मंडल वार्ड क्रमांक 10, शिक्षक कॉलोनी महिला मंडल वार्ड क्रमांक 14, राधा महिला मंडल वार्ड क्रमांक 12, जय महाकाल महिला मंडल वार्ड क्रमांक 4, गुलाबरा महिला मंडल वार्ड क्रमांक 9, नटनी माई महिला मंडल वार्ड क्रमांक 12, आदिशक्ति महिला मंडल वार्ड क्रमांक 15, मातेश्वरी मंदिर महिला मंडल वार्ड क्रमांक 13, महिला जस समिति वार्ड क्रमांक 13 सहित 11 मण्डलो को सामग्री वितरित की गयी।

पुलिस का आज से नशे से दूर रहे जनजागरूकता अभियान...

विभिन्न माध्यमों से चलाया जायेगा जनजागरूकता अभियान पुलिस अधीक्षक: अजय पाण्डे

छिंदवाड़ा। नशे से दूरी है जरूरी जन-जागरूकता अभियान दिनांक 15 जुलाई 2025 से 30 जुलाई 2025 तक राज्य के समस्त जिलों में होगा संचालित मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में नशीले पदार्थों के बढ़ते उपयोग और उसके दुष्परिणामों के प्रति समाज को जागरूक करने हेतु नशे से दूरी है जरूरी जन-जागरूकता अभियान का आयोजन दिनांक *15 जुलाई 2025 से 30 जुलाई 2025* तक किया जा रहा है।

इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखना, नशे की तस्करी एवं अवैध व्यापार पर नियंत्रण, और समाज के सभी वर्गों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। पुलिस विभाग इस अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, साथ ही अन्य विभागों, सामाजिक संस्थाओं, एनजीओ और शिक्षा संस्थानों का सहयोग भी लिया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अजय पाण्डे ने पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे ए.एस.पी आयुक्त भी उपस्थित थे।

अभियान के अंतर्गत मुख्य गतिविधिया : रेडियो/एफएम रेडियो प्रसारण द्वारा जन-संदेशों का प्रचार।सार्वजनिक स्थलों पर बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स का प्रदर्शन। प्रिंट एवं डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार।

विभिन्न संसाधनों के जरिए किया जाएगा जागरूक : अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा, जिनमें नुक्कड़ नाटक, बैनर, पोस्टर, पंपलेट वितरण, प्रिंट और डिजिटल मीडिया के माध्यम से प्रचार, वीडियो स्क्रीनिंग, सोशल मीडिया अभियान, सफाई वाहनों के माध्यम से संदेश प्रसारण, हेल्पलाइन और वेब पोर्टल प्रचार, ई-शपथ के लिए प्रोत्साहन, स्कूल - कॉलेजों में छात्रावास नशामुक्त समिति का गठन और छात्रों को हेल्थलाइन ऐप्स एवं काउंसलिंग से जोड़ना शामिल रहेगा । समाज में संदेशों के जरिए प्रचार-प्रसार कर फैलाई जाएगी जागरूकता।

हेल्प लाईन से सम्पर्क करें : हेल्पलाइन नंबर 1933, 14446 और पोर्टल / का प्रचार कर अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाएगा । मेडिकल कॉलेजों, टेक्निकल कॉलेजों और अन्य शिक्षण संस्थानों में जागरूकता पोस्टर, वीडियो और शॉर्ट मूवीज़ भी प्रदर्शित की जाएंगी।

नशे के सौदागरों की सूचना दें, आपकी पहचान रहेगी गोपनीय : यदि आपके आसपास किसी भी प्रकार के अवैध नशीले पदार्थ – जैसे गांजा, स्मैक या अन्य मादक पदार्थों की बिक्री, खरीद-फरोख्त या संग्रहण होते हुए दिखाई दे, तो तुरंत छिन्दवाड़ा पुलिस की नारकोटिक्स हेल्पलाइन नंबर 7049129885 पर सूचना दें। आपकी दी गई जानकारी पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी और आपकी पहचान को पूरी तरह से गोपनीय रखा जाएगा । समाज को नशा मुक्त बनाने में आपका यह योगदान बेहद महत्वपूर्ण हैं । जागरूक नागरिक बनें और नशा रोकथाम में पुलिस का साथ दें।

पुलिस अधीक्षक अजय पांडे ने की नागरिकों से अपील : इस अभियान में सक्रिय सहभागिता करें एवं नशे से मुक्त, स्वस्थ और सुरक्षित समाज के निर्माण में योगदान दें।

नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर के वेतन को रोकने के आदेश

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में समय सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में सीएम हेल्पलाइन, सीएम कार्यालय, सीएम हाउस, विभिन्न आयोगों, वरिष्ठ कार्यालयों एवं न्यायालयों से जुड़े लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। साथ ही विभिन्न समसामयिक एवं अंतर्विभागीय मुद्दों पर भी चर्चा की और महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों पर लगातार कार्य करते हुए विभाग प्रमुख प्राथमिकता से उनका त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें, जिससे जिले की रैंकिंग में सुधार हो। उन्होंने स्वास्थ्य, स्कूल शिक्षा, जनजातीय कार्य जैसे बड़े विभागों को निर्देशित किया कि वे समस्त शिकायतों को संतोषजनक रूप से बंद करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों की गुणवत्ता के साथ ही समाधान का स्थायित्व भी महत्वपूर्ण है।

डिप्टी कमिश्नर का वेतन रोकने के दिए निर्देश: बैठक के दौरान पार्वती नगर एवं संस्कार कॉलोनी क्षेत्र में शासकीय नाले की भूमि पर अवैध रूप से शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और बेसमेंट निर्माण किए जाने की शिकायतों पर कार्रवाई न होने पर कलेक्टर श्री सिंह ने नाराजगी जताई। उन्होंने नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

कांवड़ लेकर निकले शिव भक्त, बम-बम भोले के जयकारों से गूंजा कोयलांचल

निर्धारित मार्गों से होते हुए हिंगलाज़ मंदिर पहुंचे श्रद्धालुजन

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं पूर्व सांसद नकुलनाथ की धार्मिक भावनाओं के अनुरूप ब्लॉक कांग्रेस कमेटी परासिया के द्वारा कांवड़ यात्रा निकाली गई, जिसमें परासिया सहित जिलेभर से आए कांग्रेस के वरिष्ठ जनप्रतिनिधिगण, पदाधिकारीगण व कार्यकर्तागण सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तजन सम्मिलित हुए। भगवान शिव के प्रिय मास सावन की शुरुआत हो चुकी है और चारों ओर बम-बम बोले के जयकारे लगाए जा रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कांवड़ यात्रा करने से भगवान शिव काफी प्रसन्न होते हैं और जीवन में सुख, शांति व समृद्धि बनी रहती है। परासिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने छिन्दवाड़ा-पांढुर्ना संसदीय क्षेत्र में सुख, शांति व समृद्धि की कामना के लिए कांवड़ यात्रा की। परासिया राम मंदिर से पवित्र माह सावन के प्रथम सोमवार को कांवड़ यात्रा निकाली गई जो निर्धारित मार्गों से होते हुए हिंगलाज मंदिर पहुंची, सर्वप्रथम शिव भक्तों ने विधि विधान से पूजा-अर्चना की जिसके पश्चात कांवड़ यात्रा प्रारंभ हुई। यात्रा मार्ग में शिव भक्तों के भीतर खासा उत्साह देखने को मिला।

2 वार्डों में 200 घरों में किया गया डेंगू के लार्वा का सर्वे

23 घरों में पाये गये लार्वा किया विनष्टीकरण

छिन्दवाड़ा। डेंगू की रोकथाम व नियंत्रण के लिये शहरी क्षेत्र छिन्दवाड़ा के वार्ड नं 25 बरारीपुरा एवं वार्ड 33 सुभाष कॉलोनी में 3 दलों द्वारा 200 घरों में लार्वा सर्वे किया गया व 23 घरों में पाए गये लार्वा को लार्वानाशक दवाई डालकर/खाली कराकर नष्ट कराया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.नरेश गोन्नाडे ने जनसमुदाय से अपील की है कि अपने घर के सभी पानी के कंटेनर व जल जमाव वाले स्थलों को प्रति सप्ताह चेक करवा ले की एडीज मच्छर के लार्वा तो नहीं पनप रहे व खाली कर सफाई कर दें। एडीज मच्छर प्रायः दिन में काटता है, पानी के बड़े कंटेनर जिनकी सफाई व ढांकना संभव न हो तो उनमें मीठा तेल/जला हुआ इंजन ऑयल प्रति सप्ताह डलवायें। इस प्रकार जिले में डेंगू के संचरण को समाप्त/कम करने में सहयोग प्रदान करें। साथ ही मच्छर के काटने से बचाव के लिए पूरे बाह के कपड़े पहने एवं मच्छरदानी के अंदर सोने एवं शाम के समय घर पर नीम का धुआं करने की सलाह दी गई।

सेवानिवृत्त 89 शासकीय सेवकों को कलेक्टर ने सौंपे पेंशन प्राधिकार पत्र

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा समय सीमा की बैठक में लगातार दिए जा रहे निर्देशों और समीक्षा का परिणाम है कि जिले में सेवानिवृत्त हो रहे शासकीय सेवकों को समय पर पेंशन प्राधिकार पत्र (पीपीओ) सम्मान पूर्वक वितरण का कार्य फरवरी माह से पुनः प्रारंभ हो चुका है। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित सम्मान समारोह में जुलाई माह 2025 में सेवानिवृत्त हुए विभिन्न विभागों के 89 शासकीय सेवकों को कलेक्टर श्री सिंह द्वारा सम्मानित किया गया तथा स्वयं अपने हाथों पीपीओ वितरित किए गए। कलेक्टर श्री सिंह ने पेंशनर्स को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अतीत में पेंशन प्राप्त करने में जो कठिनाइयां आती थीं, उन्हें समाप्त करने की दिशा में यह पहल एक सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के चेहरे पर मुस्कान लौटती देख उन्हें आत्मिक संतोष हो रहा है। उन्होंने जिला पेंशन कार्यालय, समस्त जिला अधिकारियों एवं विभागीय कर्मचारियों को इस उत्तम कार्य के लिए धन्यवाद दिया और पेंशनर्स से आग्रह किया कि वे समाज के हित में आगे भी अपना योगदान देते रहें।

समारोह में कुछ पेंशनर्स ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि मात्र 14 दिनों के भीतर समस्त प्रक्रियाएं पूर्ण कर पीपीओ प्रदान किया जाना अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने इस प्रयास के लिए कलेक्टर श्री सिंह सहित पेंशन अधिकारी एवं टीम को साधुवाद प्रेषित किया। अंत में जिला पेंशन अधिकारी श्रीमती हीरावती उइके ने सभी डी.डी.ओ. से अपेक्षा की कि वे पीपीओ के साथ-साथ अन्य समस्त अनुबंधित स्वत्वों का भी शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार, प्रभारी अपर कलेक्टर श्रीमती अंकिता त्रिपाठी, श्रीमती नम्रता अहक (सहायक पेंशन अधिकारी), श्री रमेश पुषाम, श्री कृष्ण कुमार यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और जिला पेंशन कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

समाजिक लोगों को एकजुट कर समाज के लिए कार्य करें :श्रीमती मालती राय

छिंदवाड़ा। खजरी रोड स्थित कल्चुरी कलार समाज के भवन में रविवार की सुबह भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय की प्रमुख उपस्थिति में समाजिक बंधुओं द्वारा भवन परिसर के आसपास पौधारोपण किया गया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत संपूर्ण देशभर में पौधारोपण किया जा रहा है। इसी के तहत छिंदवाड़ा में कल्चुरी कलार समाज के भवन में पौधारोपण किया गया है। उन्होंने समाजिक एकता पर बल देते हुए समाजिक लोगों को एकजुट होकर रहते हुए समाज के लिए कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि कलार समाज के लोगों को अपने-अपने नाम के आगे कल्चुरी शब्द का उपयोग करना चाहिए। जिससे विभिन्न वर्गो में बंटा हुआ हमारा समाज एकजुट दिखेगा और हम और अधिक मजबूत हो सकेंगे एवं समाज को विकसित कर पायेंगे। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष अरविंद राय, पूर्व सभापति संतोष राय, विकास राय, लोकतंत्र सेनानी राजेन्द्र राय, पंकज बोरले, वरिष्ठ समाज सेवी उमाशंकर राय, अनुज चौकसे, अमित राय, सुभाष सूर्यवंशी, रामभरोस राय, विवेक बंटी राय, दर्शन राय, अखिलेश बब्लू राय, शैलेन्द्र गुड्डा राय, राष्ट्रीय कल्चुरी एकता महासंघ के प्रदेश प्रवक्ता व मीडिया प्रभारी आशीष कटकवार, शिवम राय, राजेन्द्र सूर्यवंशी, मनोज राय, महेन्द्र राय, मातृशक्तियों में पार्षद श्रीमती शोभना राय, पूर्व पार्षद श्रीमती वैजयंती राय, श्रीमती चित्रा चौकसे, श्रीमती रिचा राय, श्रीमती रेखा राय, श्रीमती सीमा सूर्यवंशी सहित बड़ी संख्या में समाजिक बंधु उपस्थित थे।

पर्यटन ग्राम धूसावानी में कलेक्टर ने लगाई चौपाल

होम स्टे का औचक निरीक्षण कर बिजली, पानी, सडक़ की व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने गत दिवस विकासखंड तामिया के पर्यटन ग्राम धूसावानी का औचक निरीक्षण किया और यहां पर्यटकों को दी जा रही सुविधाओं, स्वच्छता और अन्य गतिविधियों को देखा। इस दौरान उनके साथ सीईओ जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार भी उपस्थित रहे। होम स्टे के निरीक्षण के बाद उन्होंने गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्यों को सुना और तत्काल निराकरण के निर्देश मौके पर मौजूद अधिकारियों को दिए। होम स्टे में पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधा, स्वच्छता और स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था को और अच्छा करने के सुझाव दिए।

पर्यटन ग्राम धूसावानी में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा बनवाए गए होम-स्टे में पहुंचकर उन्होंने यहां रूके पर्यटकों से बातचीत की और उनके अनुभव को जाना। साथ ही कलेक्टर श्री सिंह ने धूसावानी आने वाले पर्यटकों को करवाई जाने वाली एक्टिविटी के बारे में जाना और उस ट्रेक को देखा, जहां से पर्यटकों को ट्रेकिंग करवाई जाती है। कलेक्टर श्री सिंह ने इस ट्रेक पर पौधरोपण करने का सुझाव दिया। करीब तीन घंटे तक गांव में रहे कलेक्टर श्री सिंह ने पर्यटन एक्टिविटी को बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

गांव में लगाई चौपाल- निरीक्षण के बाद कलेक्टर श्री सिंह व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार ने पर्यटन ग्राम धूसावानी में चौपाल लगाई और ग्रामीणों से समस्याएं सुनीं। कुछ समस्याओं का मौके पर मौजूद जुन्नारदेव एसडीएम सुश्री कामिनी ठाकुर, तामिया तहसीलदार श्री उमराज वालरे के जरिए मौके पर ही निराकरण किया गया।

सडक़, बिजली, पानी की सुविधाओं पर फोकस- कलेक्टर श्री सिंह ने पर्यटन ग्राम में बिजली ट्रिपिंग की समस्या सामने आते ही तत्काल ट्रांसफार्मर बदलने और इसे ग्राम के बीच लगाने के निर्देश दिए। इसी तरह पानी और सडक़ जैसी मूलभूत सुविधाओं को दुरूस्त करने के निर्देश दिए गए। होम-स्टे के हितग्राही श्री बलिराम सरयाम के लिए कपिल धारा में कूप निर्माण को स्वीकृत कर पूरा करवाने के निर्देश कलेक्टर श्री सिंह ने दिए। इस अवसर पर धूसावानी पर्यटन ग्राम की सहयोगी संस्था सतपुड़ा सेल्फ से श्री अजय खोबरे भी उपस्थित थे।

मौसम का आनंद लें पर्यटक- बरसात के दिनों में सभी पर्यटन ग्राम प्राकृतिक सुदंरता से खिल उठे हैं और कोहरा यहां आने वाले पर्यटकों को रोमांचित करता है। देश-प्रदेश के पर्यटक इस मौसम का आनंद लें और टूरिज्म बोर्ड द्वारा निर्मित होम स्टे में रहकर प्रकृति व ग्रामीण पर्यटन से जुड़ें। इसके लिए कलेक्टर श्री सिंह ने सभी पर्यटन ग्रामों में हो रही एक्टिविटी, गांवों की विशेषता और पर्यटकों के लिए सुरक्षित माहौल का प्रचार-प्रचार करने के निर्देश दिए।

दस्तक अभियान का आयोजन 22 से 16 सितंबर तक

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.नरेश गोन्नाडे के दिशा-निर्देशन में जिले में स्टॉप डायरिया कैंप सह दस्तक अभियान का आयोजन 22 जुलाई से 16 सितंबर 2025 तक किया जायेगा। अभियान का उद्देश्य 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में प्रमुख बाल्यकालीन बीमारियों की सामुदायिक स्तर पर सक्रिय पहचान तथा त्वरित उचित प्रबंधन करना है, ताकि बाल मृत्यु दर में वांछित कमी लाई जा सके। इस अभियान के तहत ए.एन.एम, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के संयुक्त दल द्वारा 05 वर्ष के छोटे बच्चों वाले परिवारों में घर पर स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं के लिये दस्तक देकर बच्चों में पाई जाने वाली बीमारियों की सक्रिय पहचान एवं उचित प्रबंधन किया जायेगा।

चौरई के बरेलीपार में स्कूल में पढ़ाई की जगह छात्रों से लगवाये झाड़ू पोछा

छिंदवाड़ा। जिलें के चौरई ब्लॉक के बरेलीपार के सरकारी स्कूल में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को पढ़ने आए बच्चों से झाड़ू एंव गोबर से स्कूल में पीछा लगवाया गया है घटना का वीडियो सामने आने के बाद शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। अध्यापक ने स्कुल के छोटी छोटी छात्रों से झाड़ू एवं गोबर से पुछ लगवाते वीडियों में साफ देखा जा सकता है बच्चों को स्कूल परिसर के कमरों में झाड़ू एंव गोबर से पीछा लगाते देखा गया है और सफाई करने का निर्देश स्कुल के शिक्षकों ने ही दिया। जब यह दृश्य कैमरे में कैद हुआ है, इन घटना ने पूरे जिले की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल सावरिया निशान खड़े कर दिया है, जहां सरकारी स्कूलों में छोटे-छोटे बच्चों से शिक्षक इन दोनों मनमानी तरीके से काम करते देख रहे हैं, ग्रामीण लोगों ने इस घटना की निंदा की है। उनका कहना है कि बच्चों को पढ़ाई से दूर कर सफाई में लगाना उनके भविष्य के लिए उचित नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर समाज सेवा करवानी ही है, तो सप्ताह में एक दिन निर्धारित कर पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यों में बच्चों को शामिल किया जा सकता है। यह घटना सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर करती है। एक तरफ जहां निजी अंग्रेजी माध्यम के स्कूल प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ रहे हैं, वहीं सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की बजाय ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं।

सन्त आशाराम बापू के खिलाफ आदेश करने वाले जज की संपत्ति की जांच हो: स्वामी राकेशानन्द

छिंदवाड़ा। इन दिनों जनसेवा हिताय संगठन के तत्वावधान में एस एफ गेट के पास शनि पिपलेश्वर मंदिर में 7 दिवसीय भागवत कथा स्वामी राकेशानन्द के सानिध्य में सम्पन्न हो रही हैं। जिसमें सैकड़ों लोग प्रतिदिन कथा का पुण्य लाभ अर्जित कर रहे है। इस अवसर पर स्वामी जी ने मीडिया को बताया कि आजकल सनातन संस्कृति के रक्षक सन्तों को चुन चुन कर निशाना बनाया जा रहा है। सन्त श्री आशाराम जी बापू पर जोधपुर सेशन कोर्ट के जज मधुसूदन शर्मा और गांधीनगर सेशन कोर्ट के जज ह्रच्च सोनी ने बिना सबूतों के उम्रकैद की सजा सुनाई है। उनकी संपत्ति की जांच होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ वर्ष पहले एक सर्कुलर जारी किया था कि सभी न्यायाधीश अपनी-अपनी सम्पति का ब्यौरा बेबसाइट पर सेंट करे। सुप्रीम कोर्ट का आदेश सभी के लिए बन्धनकारी होता हैं। पर आज तक बहुत से न्यायाधीशों ने स्वयं की सम्पति का ब्यौरा नहीं दिया है। उसमें से जोधपुर सेशन कोर्ट के न्यायाधीश मधुसूदन शर्मा और अहमदाबाद गांधीनगर के सेशन कोर्ट के न्यायाधीश डी के सोनी भी हैं। इन जजों के इस कृत्य से माननीय

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना हो रही हैं। साथ ही ये दोनों जज संदेह के घेरे में आ रहें हैं। सन्त आशाराम को सजा सुनाने वाले जोधपुर सेशन जज मधुसूदन शर्मा को तुरंत जयपुर उच्च न्यायालय का रजिस्टार बना दिया जाता है जो विधि के विपरीत है। हमने देश भर के संत समाज के साथ मिलकर सनातन बोर्ड के गठन की भी माँग की है। श्री देवकीनंदन ठाकुर के साथ दिल्ली में शांति पूर्वक धरना प्रदर्शन किया है और बागेश्वरधाम के धीरेंद्र शास्त्री के साथ हिन्दू राष्ट्र की मांग की। हमारी सरकार से यह भी मांग है कि सभी उच्च अधिकारी वर्ग, समस्त जनप्रतिनिधियों, केंद्रीय मंत्री और राज्य सरकार के सभी मंत्री अपनी-अपनी सम्पति का ब्यौरा बेबसाइट पर सेंट करे। जिससे आम जन मानस के बीच विश्वास कायम रहे। 16 नवम्बर 2024 को समस्त सन्त समाज ने देवकीनंदन ठाकुर और आचार्य कौशिक के सानिध्य में जगराम गार्डन करतार नगर के पास दिल्ली में सम्पन्न हुआ था जिसमे संत आशाराम बापू पर हो रहे अत्याचार का विरोध प्रकट किया था। उसके बाद सरकार और न्याय व्यवस्था ने उनके उचित इलाज के लिए अंतरिम जमानत दी।

इंदौर अब बनाएगा बनारस को साफ

पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र में लागू होगा स्वच्छ इंदौर मॉडल

भोपाल। देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी को साफ-सुथरा बनाने की जिम्मेदारी संभालेगा। नगरीय विकास मंत्रालय के निर्देश पर इंदौर नगर निगम की एक उच्चस्तरीय टीम सोमवार को वाराणसी के लिए रवाना हो गई, जहां वह इंदौर का सफल ÷स्वच्छता मॉडल÷ लागू करने की योजना बनाएगी।

आज होगी अहम बैठक– इंदौर से पहुंचे अफसरों की टीम मंगलवार को वाराणसी के कलेक्टर व नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक कर विस्तृत स्वच्छता प्लान तैयार करेगी। बैठक में इंदौर के सफाई मॉडल की प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही वहां की जरूरतों के मुताबिक उसे स्थानीय स्तर पर लागू करने की दिशा तय की जाएगी। टीम में नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे, इंदौर निगमायुक्त शिवम वर्मा, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा समेत अन्य अधिकारी शामिल हैं।

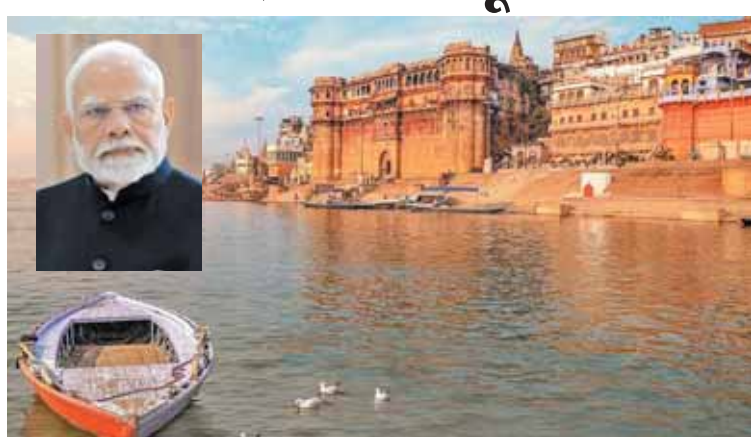

मंत्री ने पहले ही कहा था– कुछदिन पहले नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था कि इंदौर को आठवीं बार अवॉर्ड तब मिलेगा, जब वह किसी और शहर को भी साफ करेगा। अब वही कथन हकीकत बन गया है।

इंदौर की टीम को वाराणसी भेजने का निर्णय इसी बात का प्रमाण है कि इंदौर न सिर्फ खुद को साफ रख रहा है, बल्कि अब दूसरे शहरों को भी उसी राह पर ले जाने की भूमिका निभा रहा है।

पहली बार इंदौर की टीम सुधारेगी दूसरे शहर की सफाई

अब तक देशभर से कई शहरों के प्रतिनिधिमंडल इंदौर की सफाई व्यवस्था का अध्ययन करने आते रहे हैं, लेकिन यह पहली बार है जब इंदौर की टीम किसी दूसरे शहर में जाकर सफाई सुधारने की प्रत्यक्ष जिम्मेदारी निभा रही है। इसे इंदौर की साफ-सफाई में राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर बढ़ती एक और बड़ी छलांग माना जा रहा है। अब नजरें इस बात पर होंगी कि इंदौर का मॉडल बनारस की गलियों और घाटों को भी नई चमक दे पाता है या नहीं।

सांध्य प्रकाश
के 55वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक शुभकामनाएं

पुष्पेन्द्र सिंह परिहार
सदर पटवारी
जिला छतरपुर (मप्र)

सांध्य प्रकाश
के 55वें वर्ष में प्रवेश पर हार्दिक शुभकामनाएं
MANSAROVAR GLOBAL UNIVERSITY
Be Remarkable
Enrich Your Mind and Expand Your Horizons

Pursue Your Passion & Purpose at the most
VIBRANT UNIVERSITY
in Central India
OUR FACULTIES
MANAGEMENT AND COMMERCE
AGRICULTURE SCIENCE & TECHNOLOGY
PARAMEDICAL
AYURVEDA
PHARMACY
EDUCATION
ENGINEERING & TECHNOLOGY
LAW
JOURNALISM & MASS COMMUNICATION
NURSING
ART & HUMANITIES
LIFE SCIENCE
8989010102
8989080809
University Campus : Bilkisganj, Sehore- 466111
City Office : Mansarovar Public School, Opp. Bima Kunj, Kolar Road, Bhopal- 462042
www.mguindia.com

झीलों की नगरी में बीत गये 54साल

कई कर डाले यहां कमाल
दिलों पर सबके हैं छाये
सन आठ दिन चौबीस महीना
जून में जो आये
अवध में क्या ये निरखे हैं
मोती जैसे बिखरे हैं
भोर भये चुपके से आकर
दुनियां का सब हाल बताकर
सारा दिन सुन्दर कर डाला
अपना है ये दैनिक सांध्यप्रकाश
अब यहां करता बहुत धमाल
अवध में बीत गये 54 साल
झीलों की नगरी भोपाल संस्करण
के सफलता के 55वें वर्ष के
प्रवेश पर बहुत बहुत बधाई

हाकम सिंह गुर्जर
(स्थानीय संपादक)

JJ COLLEGE OF PHARMACY
Approved by Recognized by PCI, New Delhi, Affiliated to RGPV and DTE Bhopal
Add:- Panna road chhatarpur (m. p.)
Admission open
For session 2025-26
D. Pharma
सांध्य प्रकाश
के 55वें वर्ष में प्रवेश पर हार्दिक शुभकामनाएं
Eligibility :-
12th (Physics, Chemistry, Biology or Maths) with minimum 45% Marks
Admissions Through Online Counselling
CONTACT US
7389061774

सांध्य प्रकाश
के 55वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक शुभकामनाएं

अभिनव शर्मा
चन्द्रपुरा पटवारी
जिला छतरपुर (मप्र)

SHUBHAM Public Relation PR
• PR • MEDIA • ADVERTISING • BRANDING
सांध्य प्रकाश के 55वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक शुभकामनाएं
3 ईडब्लूएस, अक्षत नगर देवास (मप्र)

सांध्य प्रकाश
के 55वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक शुभकामनाएं
पवार फर्निचर
जितेन्द्र पवार

भोपाल रोड नसरुल्लागंज

सांध्य प्रकाश
के 55वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक शुभकामनाएं
केशव ट्रेडर्स
सेनेटरी वेयर इलेक्ट्रिकल्स

भोपाल रोड नसरुल्लागंज
सुमित पवार

orient electric
MAHESWARI ELECTONICS
A orient Fan Authorized Dealer

Only Authorized
Dealer Of Orient Electric In Bhopal
Call Now
+91 9826273823
Address : Plot no 24, Indira Press Complex, Zone-I, Maharana Pratap Nagar, Bhopal, Madhya Pradesh 462011
सांध्य प्रकाश
के 55वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक शुभकामनाएं